नई दिल्ली ■ सोमवार 11 मई 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 14 ■ अंक 43 ■ पृष्ठ 08

JBT www.thejbt.com

जनभावना टाइम्स

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल, करनाल एवं मुजफ्फरनगर से प्रकाशित

04 राम नाम से मस्तिष्क में प्रकट होता है आत्मज्ञान | 07 भारतीय महिला रिकर्व टीम ने चीन को हराकर विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता | कृति सेनन ने इंडस्ट्री में महिलाओं की स्थिति... 08

योगी मंत्रिमण्डल का विस्तार, छह नये चेहरे शामिल

छह नए चेहरों में से दो कैबिनेट और चार को बनाया राज्य मंत्री, दो राज्य मंत्रियों को स्वतंत्र प्रभार के रूप में मिला प्रमोशन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार के मंत्रिमण्डल विस्तार में छह नये चेहरों को शामिल किया गया है। इनमें चार को राज्यमंत्री और दो को कैबिनेट स्तर का मंत्री बनाया गया है। वहीं योगी सरकार के दो राज्य मंत्रियों का प्रमोशन किया गया है।

प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने रविवार को जन भवन के गांधी सभागार में इन मंत्रियों को शपथ दिलायी। मंत्रिमंडल में जिन नए चेहरों कोजगह मिली है उनमें भूपेन्द्र चौधरी, मनोज पांडेय, कैलाश राजपूत, कृष्णा पासवान, सुरेन्द्र दिलेर और हंसराज विश्वकर्मा शामिल हैं। योगी सरकार के जिन दो राज्य मंत्रियों का प्रमोशन हुआ है उनमें राज्य मंत्री सोमेन्द्र तोमर और राज्य मंत्री अजीत सिंह पाल को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया है। राज्य के भूपेन्द्र चौधरी और मनोज पांडे को कैबिनेट मंत्री और कैलाश राजपूत, कृष्णा पासवान, सुरेन्द्र दिलेर और हंसराज विश्वकर्मा कोराज्य मंत्री बनाया गया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य मौजूद रहे।

मंत्रिमण्डल विस्तार में यूपी भाजपा के पूर्व अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी और रायबरेली जिले से मनोज पांडेय को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। प्रमोशन पाने वाले राज्य मंत्रियों में अजीत सिंह पाल और सोमेन्द्र तोमर ने राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की। कृष्णा पासवान, कैलाश राजपूत, सुरेन्द्र दिलेर और हंसराज विश्वकर्मा ने राज्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की।

कृष्णा पासवानः दलित प्रतिनिधित्व का दांव

कृष्णा पासवान दलित समाज, विशेषकर पासवान समुदाय में प्रभाव रखने वाली नेता हैं। वह फतेहपुर की खागा विधान सभा सीट से विधायक हैं। माना जा रहा है कि पूर्वांचल और मध्य उत्तर प्रदेश में पासवान वोट बैंक को साधने के लिए भाजपा उन्हें मंत्री बनाकर अहम जिम्मेदारी दी है।

कैलाश राजपूत : कन्नौज क्षेत्र से चर्चित चेहरा

लोधी राजपूत समुदाय से ताल्लुक रखने वाले कन्नौज जिले की तिर्वा विधानसभा सीट से भाजपा विधायक कैलाश सिंह राजपूत ने भी राज्य मंत्री पद की शपथ ली है। तिर्वा और छिबरामऊ क्षेत्रों में उनकी गहरी पैठ है। कैलाश राजपूत की लोधी राजपूत वोटरों में अच्छी पकड़ मानी जाती है।

भूपेंद्र चौधरी : पश्चिम यूपी में जाट राजनीति का चेहरा

भाजपा उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद क्षेत्र से आते हैं। विधान परिषद सदस्य हैं और योगी सरकार के पहले कार्यकाल में पंचायतीराज मंत्री की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। ऐसे में भूपेंद्र चौधरी को पार्टी ने तोहफा दिया है।

मनोज पांडेय : सपा से आये बड़े ब्राह्मण नेता

मनोज पांडेय रायबरेली जिले की ऊंचाहार सीट से विधायक हैं। वह सपा में बड़े ब्राह्मण चेहरे के रूप में सक्रिय रहे हैं। अखिलेश यादव सरकार में मंत्री रह चुके हैं लेकिन वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने सपा से दूरी बनाते हुए भाजपा को समर्थन दिया। मनोज पांडेय को कैबिनेट में शामिल कर भाजपा ब्राह्मण मतदाताओं के बीच अपना संदेश दिया है।

अजीत सिंह पाल : पिता की विरासत संभालते हुए समाज में प्रभावी

उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार/राज्य मंत्री) अजीत सिंह पाल कानपुर देहात की सिकंदरा विधानसभा सीट से भाजपा विधायक हैं। वे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग का कार्यभार संभाल रहे हैं। वे पूर्व भाजपा विधायक मथुरा प्रसाद पाल के बेटे हैं। पिता के निधन के बाद राजनीति में आए। उन्होंने रूस से पढ़ाई की है और केमिकल इंजीनियर के रूप में काम करने के बाद वे राजनीति में सक्रिय हुए। उन्होंने 2017 में पिता की मृत्यु के बाद उपचुनाव लड़ा और पहली बार विधायक बने, फिर 2022 में सिकंदरा से दोबारा जीतकर राज्य मंत्री बने।

डॉ. सोमेंद्र तोमर : मेरठ के पुराने छात्र नेता रहे हैं

डॉ. सोमेंद्र पहले ऐसे छात्र नेता हैं। छात्रसंघ से निकलकर मुख्य धारा की राजनीति में शीर्ष तक पहुंचे हैं। डॉ. सोमेंद्र 1998-2004 तक एबीवीपी में रहे। 1998 में एबीवीपी के विवि मंत्री और 2004 में एबीवीपी पैनल से छात्रसंघ अध्यक्ष चुने गए। 2004 में भाजयुमो के प्रदेश संयोजक रहे। 2012 में पहली बार सोमेंद्र तोमर को भाजपा ने टिकट दिया, लेकिन फिर बदल दिया गया। 2017 में उन्हें टिकट मिला और जीते । 2022 चुनाव में उन्होंने गठबंधन प्रत्याशी आदिल चौधरी को हराया। बागपत के खैली गाव निवासी सोमेंद्र मेरठ के शास्त्रीनगर में रहते हैं। उनके पिता महेंद्र सिंह तोमर सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य हैं।

सुरेंद्र दिलेर राजनीतिक रूप से दलित चेहरा

सुरेंद्र दिलेर अलीगढ़ जिले की खैर विधानसभा सीट से विधायक हैं। वह मूल रूप से दलित समाज से आते हैं। साथ ही राजनीतिक प्रष्ठभूमि वाले परिवार से आने वाले दलित नेता हैं। उनके दादा किशन लाल दिलेर हाथरस लोकसभा सीट से चार बार सांसद और छह बार विधायक रहे। उनके पिता स्व. रवीर सिंह दिलेर हाथरस सीट से भाजपा के सांसद रहे। एक बार विधायक भी रहे। खैर सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। सुरेंद्र दिलेर ने यहां भाजपा को मजबूत आधार दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।

हंसराज विश्वकर्माः ओबीसी राजनीति का मजबूत चेहरा

हंसराज विश्वकर्मा प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से विधान परिषद सदस्य हैं। वह भाजपा के प्रमुख ओबीसी नेताओं में गिने जाते हैं। पूर्वांचल के वाराणसी, चंदौली, भदोही और आसपास के जिलों में विश्वकर्मा समाज में उनका प्रभाव देखा जाता है। लंबे समय से संगठन में सक्रिय रहने वाले हंसराज विश्वकर्मा को जमीनी नेता माना जाता है। प्रधानमंत्री कई बार उनकी प्रशंसा कर चुके हैं। भाजपा के गैर-यादव पिछड़ा वर्ग को अपने साथ मजबूती से जोड़ने की रणनीति का हिस्सा हंसराज विश्वकर्मा भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से आने के कारण उनका राजनीतिक महत्व और बढ़ जाता है।

विकसित भारत के लक्ष्य को गति देगा तेलंगाना का विकास : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में कहा कि राज्यों के विकास के बिना देश का विकास संभव नहीं है और तेलंगाना का विकास विकसित भारत के लक्ष्य को गति देगा। केंद्र सरकार राज्यों के तेज विकास को अपनी योजनाओं का केंद्र बिंदु मानकर काम कर रही है।

प्रधानमंत्री ने रविवार को हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एचआईसीसी) से वर्चुअल माध्यम से 9,400 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पण किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि तेलंगाना का सामर्थ्य राष्ट्रीय ही नहीं, वैश्विक भी है। यहां के आसपास के क्षेत्र को देश का बड़ा विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में कई बड़े प्रकल्प शुरू किए जा रहे हैं, जिनसे हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा और राज्य की संपर्क व्यवस्था मजबूत होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत इस समय सुधार और आधुनिक बुनियादी ढांचे की 'एक्सप्रेस' पर आगे बढ़ रहा है। जहीराबाद औद्योगिक क्षेत्र का विकास इसी सोच का हिस्सा है।

यह क्षेत्र एक औद्योगिक स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां विश्वस्तरीय आधारभूत ढांचा, बेहतर विद्युत आपूर्ति और उन्नत सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी नेटवर्क उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया भर के निवेशकों को उद्योग स्थापित करने के लिए आवश्यक सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस औद्योगिक क्षेत्र के विकास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च कर रही है और इससे युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। यहां बनने वाले वाहन, मशीनरी और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग किसानों और श्रमिकों को भी सशक्त करेंगे।

प्रधानमंत्री ने वारंगल पीएम मित्र पार्क का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत अपनी वस्त्र उद्योग की ऐतिहासिक विरासत को फिर से मजबूत कर रहा है। पीएम मित्र पार्क देश में वस्त्र क्रांति को नई गति देगा और यहां स्थापित होने वाली इकाइयों को केंद्र सरकार की उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) का भी लाभ मिलेगा। इससे विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में आधुनिक संपर्क व्यवस्था केंद्र सरकार की बड़ी प्राथमिकताओं में रही है। सड़क, रेलवे और हवाई अड्डों के विकास पर अभूतपूर्व निवेश किया जा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर करीब पौने दो लाख करोड़ रुपये का निवेश किया गया है, जिसका लाभ तेलंगाना को भी मिला है।

पिछले 11 वर्षों में तेलंगाना में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क दोगुना हुआ है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना और कर्नाटक को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण से यात्रा समय कम होगा और माल ढुलाई की लागत में भी कमी आएगी।

कांग्रेस देश की सबसे बड़ी महिला विरोधी पार्टीः नरेंद्र मोदी

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को बेंगलुरु में कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए उसे 'देश की सबसे बड़ी महिला विरोधी पार्टी' करार दिया। उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक के मुद्दे को उठाते हुए कहा कि कांग्रेस ने वर्षों तक महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व से वंचित रखा। बेंगलुरु के एचएएल एयरपोर्ट परिसर में भाजपा के अभिनंदन समारोह में प्रधानमंत्री ने कहा कि यदि महिला आरक्षण विधेयक पहले लागू हो गया होता तो देश में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी और अधिक मजबूत होती। उन्होंने कहा कि कर्नाटक से भी बड़ी संख्या में महिला विधायक और सांसद सामने आ सकती थीं, लेकिन कांग्रेस ने इसे रोककर महिलाओं के साथ अन्याय किया।

जोसेफ विजय ने तमिलनाडु के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

चेन्नई। तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) अध्यक्ष सी. जोसेफ विजय ने आज तमिलनाडु की बागडोर संभाल ली। चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आज सुबह करीब 10 बजे भव्य समारोह में तमिलनाडु के प्रभारी राज्यपाल राजेन्द्र अर्लेकर ने टीवीके प्रमुख विजय को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। विजय ने राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। विजय के शपथ ग्रहण करते ही पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट और नारों से गूंज उठा।

विजय के शपथ लेने के बाद एन. आनंद, आदव अर्जुना, अरुणराज, सेंगोट्टैयन, वेंकटरमणन, निर्मलकुमार, राजमोहन, डी.के. प्रभु और कीर्तना ने मंत्रियों के रूप में शपथ ग्रहण की। इस समारोह में विजय के परिवार के सदस्य, फिल्म जगत की हस्तियां और गठबंधन दलों के नेता शामिल हुए। शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी उपस्थित रहे। तमिलनाडु की राजनीति में वर्ष 2026 को एक नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। शपथ ग्रहण समारोह में तमिल थाई वंदना गीत की बजाय पहले 'वंदे मातरम्' और फिर राष्ट्रगान बजाया गया। इसके बाद तमिल थाई वंदना प्रस्तुत की गई।

गौरतलब है कि तमिलनाडु सरकार के कार्यक्रम सामान्यतः तमिल थाई वंदना से शुरू होकर राष्ट्रगान के साथ समाप्त होते हैं, लेकिन इस समारोह में क्रम बदला हुआ दिखाई दिया। इसी के साथ राज्य की दो प्रमुख पार्टियों डीएमके और एआईएडीएमके के लगभग छह दशक से चले आ रहे बारी-बारी के शासन का अंत हो गया है। विजय गठबंधन सरकार का नेतृत्व करेंगे। इसमें कांग्रेस एक सहयोगी के रूप में शामिल है।

कोर्ट ने मंत्री संजीव अरोड़ा को सात दिन के लिए ईडी को रिमांड पर सौंपा

गुरुग्राम (हरियाणा)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार पंजाब सरकार के मंत्री संजीव अरोड़ा को रविवार सुबह अदालत में पेश किया। अदालत ने अरोड़ा को सात दिन के रिमांड पर ईडी को सौंप दिया।

उनसे गुरुग्राम के एमजी रोड स्थित ईडी कार्यालय में पूछताछ की जा रही है। ईडी ने शनिवार को अरोड़ा के चंडीगढ़, गुरुग्राम स्थित ठिकानों पर छापा मारा था। वह लुधियाना वेस्ट से विधायक हैं। ईडी ने करीब 10 घंटे तक चली छापेमारी के बाद शनिवार शाम पांच बजे मंत्री संजीव अरोड़ा को चंडीगढ़ से गिरफ्तार किया था। ईडी सूत्रों के अनुसार, मंत्री संजीव अरोड़ा व उनसे संबंधित कंपनियों पर 157.12 करोड़ रुपये की फर्जी बिक्री और शेल कंपनियों के जरिये फर्जी एक्सपोर्ट दिखाने के आरोप हैं। इन्हीं आरोपों में उनके खिलाफ यह कार्रवाई की गई है।

सुप्रिया सुले की कार को दूसरी गाड़ी ने मारी टक्कर, बाल-बाल बचीं

मुंबई। एनसीपी (शरद पवार) की सांसद सुप्रिया सुले शनिवार देररात सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचीं। मुंबई-पुणे हाइवे पर उनकी कर को पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार को मामूली नुकसान पहुंचा। गनीमत रही कि सुप्रिया की कार में सवार सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। सांसद सुप्रिया ने बताया कि वह पुणे से मुंबई जा रही थीं। पीछे से आ रहे वाहन क्रमांक (जीजे 13 सीएफ 5257) ने उनकी कार को किनारे से जोरदार टक्कर मार दी। सौभाग्य से इस हादसे में किसी को चोट नहीं आई और सभी लोग सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना लोगों की जान को खतरे में डाल सकता है।

पीएम ने आर्ट ऑफ लिविंग के ध्यान मंदिर का किया उद्घाटन

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को बेंगलुरु में कनकपुरा रोड स्थित आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन आश्रम में नवनिर्मित ध्यान मंदिर का उद्घाटन किया करने के साथ ही विभिन्न उपक्रमों का शुभारंभ भी किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने आध्यात्मिकता, युवा शक्ति, पर्यावरण संरक्षण, तकनीकी विकास और समाज की भूमिका पर विस्तार से अपने विचार रखे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहा कि समाज की शक्ति ही राष्ट्र निर्माण का वास्तविक आधार है। केवल सरकारें देश को नहीं बदल सकतीं। जब समाज सक्रिय रूप से भागीदारी करता है, तभी राष्ट्र नई ऊंचाइयों तक पहुंचता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज की सुबह मेरे लिए एक अलग अनुभव लेकर आई है।

बच्चों का वैदिक मंत्रों से स्वागत, गुरुदेव का आशीर्वाद और आर्ट ऑफ लिविंग की सेवा परंपरा, ये सभी क्षण मेरी स्मृतियों में हमेशा बने रहेंगे।

बेंगलुरु की विशेषता का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बेंगलुरु पूरी दुनिया में अपने सॉफ्टवेयर और सेवाओं के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन यही शहर भारत की आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक पहचान को भी नई ऊंचाइयों तक ले जा रहा है। उन्होंने कहा कि तकनीक और आध्यात्मिकता का अद्भुत समन्वय ही बेंगलुरु की सबसे बड़ी पहचान है। आर्ट ऑफ लिविंग की सेवा गतिविधियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, "जब संकल्प स्पष्ट हो और कार्य सेवा भाव से किया जाए, तब हर प्रयास सकारात्मक परिणाम देता है।

समाज की भूमिका पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं हमेशा मानता हूं कि समाज सरकारों से अधिक शक्तिशाली होता है। कोई भी अभियान तभी सफल हो सकता है, जब उसके पीछे समाज की शक्ति खड़ी हो। प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज दुनिया में विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में तेज़ बदलाव हो रहे हैं। भारत केवल इन परिवर्तनों का हिस्सा नहीं है, बल्कि कई क्षेत्रों में नेतृत्व भी कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की डिजिटल क्रांति ने देश को डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में वैश्विक नेता बना दिया है। देश में अभूतपूर्व गति से बुनियादी ढांचे का विकास हो रहा है और भारत नवाचार के क्षेत्र में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इकोसिस्टम बन चुका है। युवा वैज्ञानिकों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हमारे युवा अपने उपग्रह अंतरिक्ष में भेज रहे हैं। इन उपलब्धियों के पीछे युवा शक्ति और जीवन जीने की कला की प्रेरणा है।

पर्यावरण और कृषि क्षेत्र की चुनौतियों पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों ने हमारी धरती और खेतों को नुकसान पहुंचाया है। धरती मां को रसायनों से बचाना भी जीवन जीने की कला है।

संक्षिप्त खबरें

ईकोटेक में कूड़ा जलाने पर 1.16 लाख का जुर्माना

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर ईकोटेक-11 में कूड़ा जलाने के आरोप में ई-गरुड़ा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी कंपनी पर 1.16 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। प्राधिकरण के जनस्वास्थ्य विभाग ने यह कार्रवाई की। दोबारा ऐसी गलती करने पर और कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी गई। प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने कूड़े का उचित प्रबंध करने, इधर-उधर न फेंकने और शहर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग की अपील की है। उल्लेखनीय है कि ठोस कचरा प्रबंधन नीति के अनुसार सभी बल्क वेस्ट जेनरेटरों को अपने परिसर का कूड़ा खुद से ही वैज्ञानिक पद्धति से प्रोसेस करना अनिवार्य है।

सेक्टर 20 में पैदल मार्च कर सुरक्षा की तैयारी परखी

नोएडा। लोगों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ाने के उद्देश्य से एसीपी प्रवीण सिंह ने शनिवार को थाना सेक्टर-20 क्षेत्र के भीड़भाड़ वाले इलाकों में पैदल मार्च किया। इस दौरान पुलिस टीम ने बाजार, प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। एसीपी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्क रहकर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए। साथ ही बाजारों में लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति भी जांची गई। पुलिस अधिकारियों ने दुकानदारों और स्थानीय लोगों से संवाद कर सुरक्षा संबंधी सुझाव लिए ।

सेक्टर 104 में कारों के शीशे तोड़कर लैपटॉप-बैग चोरी

नोएडा। सेक्टर-104 स्थित एक रेस्तरां के बाहर खड़ी तीन कारों को निशाना बनाकर बदमाश लैपटॉप, बैग और अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए। पीड़ितों की शिकायत पर सेक्टर-39 थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-137 स्थित सुपरटेक इकोसिटी सोसायटी निवासी राहुल सिंह ने बताया कि वह बीते चार मई की शाम परिवार के साथ सेक्टर-104 में डिनर करने पहुंचे थे। उन्होंने रेस्तरां के बाहर अपनी कार पार्क की थी। डिनर के बाद लौटने पर कार का शीशा टूटा मिला और अंदर रखा लैपटॉप सहित अन्य सामान गायब थे। इसी दौरान पास में खड़ी राकेश और सुनील की कारों को भी बदमाशों ने निशाना बनाया। दोनों कारों के शीशे तोड़कर बैग और दो लैपटॉप चोरी कर लिए गए।

सेक्टर 58 में मामूली विवाद में युवकों ने पिता-पुत्र को पीटा

नोएडा। सेक्टर-58 थाना क्षेत्र में होटल से खाना खाकर घर जा रहे युवक को तीन-चार युवकों ने मामूली बात पर पीट दिया। पिता को बुलाकर लाए पीड़ित युवक और उसके पिता को साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। पीड़ित ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। हापुड़ के सुरूरपुर गांव निवासी गौहर खान ने पुलिस को बताया कि वह गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी में परिवार संग रहते हैं। उनका बेटा सादिक शुक्रवार रात सेक्टर-62 में होटल पर खाना खाने गया था। रास्ते में सादिक को कुछ लोग मिले थे। इनमें से एक व्यक्ति ने सादिक को रोककर चप्पल मांगी थी, लेकिन अनजान होने के चलते सादिक ने चप्पल देने से इनकार कर दिया था। इस बात से व्यक्ति नाराज हो गया। उसने अपने साथी संग मिलकर सादिक को मारा पीटा। आरोपियों से किसी तरह छूटकर सादिक अपने घर पहुंचा और पिता को आपबीती बताई। पुत्र के साथ पहुंचे गौहर खान के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। लोगों के आने पर आरोपी धमकी देकर भाग गए। मारपीट में पिता-पुत्र को चोट आ गई। दोनों का जिला अस्पताल में मेडिकल कराया गया। पुलिस का कहना है कि पीड़ित पक्ष की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद ली जा रही है।

सोसाइटी में विरोध के बाद रखरखाव शुल्क वापस

नोएडा। सेक्टर-76 स्थित आम्रपाली सोसाइटी में प्रिंसिले एस्टेट सोसाइटी में रविवार को एओए की बैठक (जीबीएम) हुई। इसमें लोगों के विरोध के चलते बढ़ा हुआ रखरखाव शुल्क वापस ले लिया गया। दरसअल, सोसाइटी के निवासियों ने रखरखाव शुल्क बढ़ाने और आय-व्यय का ब्यौरा न देने पर एओए की जिलाधिकारी (डीएम) और डिप्टी रजिस्ट्रार (डीआर) से शिकायत की। शिकायत में बताया गया कि एओए ने छह महीने में दो बार रखरखाव शुल्क बढ़ा दिया है। पूर्व में 1.90 रुपये प्रति स्क्वायर फीट शुल्क लिया जाता था। इसे बढ़ाकर 2.20 रुपये प्रति स्क्वायर फीट कर दिया गया। इसके बाद एक मई से 2.50 रुपये प्रति स्स्क्वायर फीट शुल्क कर दिया। सोसाइटी में आय और व्यय का ब्यौरा भी नहीं दिया जा रहा। इसी तरह की कई अन्य अनियमितताएं बरती जा रही हैं। इसके बाद डीएम के निर्देश पर डीआर ने एओए को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब देने के निर्देश दिए हैं। इसी को लेकर एओए ने रविवार को बैठक की। बैठक सुबह साढ़े 10 बजे से शुरू होकर दोपहर साढ़े 12 बजे तक चली।

नोएडा में किसान सभा की बैठक

पुलिस दमन और लंबित मांगों को लेकर बड़े आंदोलन का ऐलान

नोएडा। किसान सभा की मासिक बैठक ग्रेटर नोएडा के ग्राम जैतपुर स्थित जिला कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता बाबा करतार ने की। बैठक में पुलिस दमन, न्यूनतम मजदूरी और किसानों के लंबित मुद्दों को लेकर तीखा रोष जताते हुए व्यापक आंदोलन चलाने की घोषणा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए किसान सभा के जिलाध्यक्ष डॉ. रुपेश वर्मा ने कहा कि शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे मजदूर-किसान नेताओं को नजरबंद करना तानाशाही है। उन्होंने कहा कि कामरेड गंगेश्वर दत्त शर्मा समेत अन्य नेताओं की नजरबंदी गैर-कानूनी रही और किसान सभा इसका विरोध करेगी।

महासचिव संदीप भाटी ने कहा कि 10 प्रतिशत प्लॉट, नए कानून लागू करने, वेंडिंग जोन आवंटन और आबादियों के निस्तारण जैसे मुद्दे वर्षों से लंबित हैं। यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो संगठन सड़क पर उतरने को मजबूर होगा। संयोजक वीर सिंह नागर और सीटू दिल्ली-एनसीआर अध्यक्ष वीरेंद्र गौड़ ने कहा कि सरकार की नीतियां किसान और मजदूर विरोधी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल रहा, जमीन छीनी जा रही है और मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी तक नहीं मिल पा रही। सीटू जिला सचिव गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि जिले में प्रशासनिक दमन चरम पर है और मई दिवस तक मनाने से रोका गया। वहीं केंद्रीय कमेटी सदस्य पुष्पेंद्र त्यागी ने कहा कि चुनौतीपूर्ण समय में किसान-मजदूर एकजुटता ही सबसे बड़ी ताकत है। बैठक में पुलिस दमन के खिलाफ जिलेभर में व्यापक आंदोलन चलाने और किसान-मजदूर एकता को मजबूत करने का प्रस्ताव पारित किया गया। इस दौरान निरंकार प्रधान, भोजराज रावल, महेश प्रजापति, नरेश नागर, सुशील सुनपुरा, गुरप्रीत एडवोकेट, भगत सिंह, सुरेंद्र यादव और धर्मेंद्र एडवोकेट समेत बड़ी संख्या में किसान और मजदूर मौजूद रहे।

नोएडा सेक्टर-117 ग्रीन बेल्ट में देशी-विदेशी पक्षियों की चहलकदमी शुरू

नोएडा। सेक्टर 117 में विकसित हरी-भरी ग्रीन बेल्ट अब प्रकृति प्रेमियों और स्थानीय निवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनती जा रही है। नोएडा प्राधिकरण के उद्यान विभाग द्वारा विकसित और संरक्षित इस हरित क्षेत्र में इन दिनों देश-विदेशी पक्षियों की चहलकदमी देखने को मिल रही है। विशेष रूपसे क्रेन और ब्लैक आइबिस (रेड-नेप्ड आइबिस) जैसे पक्षियों का यहां आगमन क्षेत्र की जैव विविधता और स्वच्छ पर्यावरण का संकेत माना जा रहा है। सेक्टर की ग्रीन बेल्ट में नीम सहित कई प्रकार के घने और छायादार वृक्ष लगाए गए हैं। नियमित पौधों की देखरेख और संरक्षण कार्यों के चलते यह क्षेत्र अब छोटे वन क्षेत्र का रूप ले चुका है। दोपहर के समय इन पक्षियों को ग्रीन बेल्ट में विचरण करते देख स्थानीय निवासी बेहद उत्साहित और आनंदित नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि वर्ष 2020-21 में सेक्टर के चारों ओर विकसित की गई इन ग्रीन बेल्ट्स की लगातार नलाई-गुड़ाई और रखरखाव के कारण यहां हरियाली भरपूर बनी हुई है। सेक्टरवासियों का कहना है कि ब्लैक आइबिस जैसे पक्षियों की मौजूदगी यह साबित करती है कि क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण के प्रयास सफल हो रहे हैं। लोगों ने प्राधिकरण से इस हरित को और विकसित करने तथा पक्षियों के संरक्षण के लिए अतिरिक्त कदम उठाने की मांग भी की है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 10.70 लाख से ज्यादा मामलों का निस्तारण, 93.77 करोड़ की वसूली

नोएडा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में जनपद स्तर पर कुल 10,70,372 वादों का निस्तारण किया गया। इस दौरान विभिन्न मामलों में 93 करोड़ 77 लाख 15 हजार 913 रुपये की धनराशि का समझौता एवं वसूली की गई। राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव तथा अन्य न्यायिक अधिकारियों और अधिवक्ताओं ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शिवानी रावत ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में मुख्यालय और तहसील स्तर पर लोक अदालत का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि जनपद न्यायालय में कार्यरत न्यायिक अधिकारियों द्वारा 3,03,925 वादों का निस्तारण किया गया, जबकि प्री-लिटिगेशन स्तर पर राजस्व न्यायालयों एवं विभिन्न विभागों द्वारा 7,66,447 मामलों का समाधान किया गया।

लोक अदालत में एनपीसीएल के 45 मामले, यूपीपीसीएल के 5,780 मामले, श्रम न्यायालय के 1,045 मामले तथा पुलिस विभाग के 13,509 मामलों का निस्तारण किया गया। वहीं चिकित्सा विभाग ने 99,045 और यातायात विभाग ने 4,99,452 मामलों का निस्तारण किया। इसके अलावा नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा 6,123 मामलों का समाधान किया गया, जबकि राजस्व विभाग ने 1,08,286 मामलों का निस्तारण किया। राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर दुर्घटना, वैवाहिक विवाद, बैंक ऋण, विद्युत बिल, श्रम विवाद, एनआई एक्ट तथा अन्य दीवानी एवं आपराधिक मामलों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निपटारा किया गया।

उत्तर प्रदेश ने 5वीं राष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट चैंपियनशिप का खिताब जीता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय पथिक स्टेडियम में हरियाणा के खिलाफ एक रोमांचक फाइनल में जीत हासिल करते हुए उत्तर प्रदेश ने 5वीं राष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया। सोमजीत सिंह की कप्तानी में उत्तर प्रदेश ने तीसरी बार राष्ट्रीय खिताब जीता, जिससे भारतीय व्हीलचेयर क्रिकेट में उनका दबदबा और भी मजबूत हो गया। शनिवार को खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए उत्तर प्रदेश ने निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट पर 191 का बड़ा स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में हरियाणा ने भी अच्छी बल्लेबाजी की और 20 ओवरों में आठ विकेट खोकर 186 रन बनाए, लेकिन जीत से वह महज 5 रन से पीछे रह गए।अनिल

सिंहानिया को उनके शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। उन्होंने उत्तर प्रदेश के लिए 27 महत्वपूर्ण रन बनाए और 2 विकेट भी लिए। फाइनल मुकाबले में अतिथि के रूप में फरीदाबाद से भाजपा युवा नेता अमन गोयल, विश्व हिंदू परिषद से बाल किशन शर्मा, फिजिकल चैलेंज्ड क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुरेंद्र लोहिया और व्हीलचेयर क्रिकेट इंडिया एसोसिएशन के अध्यक्ष अभय प्रताप सिंह शामिल थे। अतिथियों ने खिलाड़ियों के दृढ़ संकल्प, अनुशासन और खेल भावना की सराहना करते हुए पूरे देश में व्हीलचेयर क्रिकेट के तेजी से हो रहे विकास की तारीफ की। उत्तर प्रदेश टीम के कप्तान सोमजीत सिंह ने इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय टीम की एकता, कड़ी मेहनत और जुझारू जज्बे को दिया।

भाजपा विधायक ने प्रधानमंत्री से नोएडा हवाई अड्डे पर प्रस्तावित यात्री शुल्क की समीक्षा का आग्रह किया

नोएडा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जेवर से विधायक धीरेन्द्र सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रस्तावित उपयोगकर्ता विकास शुल्क (यूडीएफ) और अन्य यात्री शुल्कों पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया है। उन्होंने चिंता जताई कि बढ़े हुए शुल्कों के कारण यहां से हवाई यात्रा दिल्ली हवाई अड्डे की तुलना में अधिक महंगी हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया था। सिंह ने आठ मई को प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि इस हवाई अड्डे की परिकल्पना पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कुछ हिस्सों के यात्रियों के लिए एक किफायती और सुलभ विकल्प के रूप में की गई थी। विधायक ने कहा, "मैं नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रस्तावित उपयोगकर्ता विकास शुल्क (यूडीएफ) और अन्य यात्री शुल्कों के संबंध में स्थानीय जनता और संभावित यात्रियों की गंभीर चिंताओं को आपके ध्यान में लाना चाहता हूं।" उन्होंने कहा कि यह हवाई अड्डा देश की सबसे महत्वाकांक्षी अवसंरचना परियोजनाओं में से एक है और इससे आर्थिक विकास, रोजगार सृजन एवं क्षेत्रीय संपर्क के लिहाज से काफी उम्मीदें जुड़ी हैं। सिंह ने कहा हालांकि परिचालन के प्रारंभिक चरण के दौरान प्रस्तावित शुल्क

संरचना जनहित के विपरीत प्रतीत होती है। उन्होंने इंडिगो द्वारा 15 जून से शुरू की जाने वाली हवाई अड्डे की हालिया घोषित उड़ान अनुसूची का हवाला देते हुए कहा कि प्रारंभिक टिकट बुकिंग डेटा और मीडिया में प्रकाशित खबरों के अनुसार लखनऊ से जेवर हवाई अड्डे का किराया लगभग 5,072 रुपये है जबकि दिल्ली हवाई अड्डे के लिए उड़ानें 3,600 रुपये से 4,300 रुपये के बीच उपलब्ध हैं। विधायक ने कहा, "अगर शुरुआती चरण में ही हवाई किराया दिल्ली हवाई अड्डे के किराए से अधिक हो जाता है, तो इससे यात्रियों पर अनावश्यक वित्तीय बोझ पड़ेगा और हवाई अड्डे की प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

नोएडा में साप्ताहिक बाजारों के लिए नई व्यवस्था लागू, लोगों को ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत

नोएडा। नोएडा शहर में लगने वाले साप्ताहिक बाजार अब जल्द ही नई व्यवस्था के तहत संचालित किए जाएंगे। सड़कों पर लगने वाले बाजारों से लगातार बढ़ रहे ट्रैफिक जाम और आम लोगों की परेशानी को देखते हुए नोएडा प्राधिकरण ने बड़ा कदम उठाने की तैयारी शुरू कर दी है। प्राधिकरण अब ऐसे स्थायी स्थान चिह्नित करेगा जहां साप्ताहिक बाजार लगाए जा सकें और यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो। प्राधिकरण ओएसडी इंदू प्रकाश सिंह ने बताया कि वर्तमान में कई सेक्टरों और मुख्य सड़कों के किनारे लगने वाले बाजारों के कारण लोगों को भारी जाम का सामना करना पड़ता है। इसे दिन बाजार लगता है, उस क्षेत्र में वाहन निकालना तक मुश्किल हो जाता है। इसी समस्या के समाधान के लिए प्राधिकरण नई नीति पर काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि अब साप्ताहिक बाजारों का संचालन सीधे प्राधिकरण की निगरानी में कराया जाएगा। इसके लिए जल्द ही टेंडर जारी किया जाएगा और चयनित ठेकेदार को बाजार संचालन की जिम्मेदारी

दी जाएगी। ठेकेदार की जिम्मेदारी होगी कि बाजार निर्धारित स्थान पर व्यवस्थित तरीके से लगे और तय समय पर हट भी जाए, ताकि आसपास की व्यवस्था प्रभावित न हो। यह टेंडर एक साल के लिए होगा। बाजार में दुकान लगाने वाले दुकानदारों से न्यूनतम किराया भी ठेकेदार ही वसूलेगा और तय राशि हर महीने प्राधिकरण को जमा करेगा। इससे प्राधिकरण को राजस्व प्राप्त होगा और बाजार संचालन में पारदर्शिता भी आएगी। नई व्यवस्था लागू होने के बाद ट्रैफिक जाम की समस्या काफी हद तक कम होगी, साथ ही दुकानदारों और आम लोगों दोनों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी।

18 की उम्र के बाद भी दिल्ली सरकार थामेगी अनाथ बच्चों का हाथ

मुख्यमंत्री ने संस्थागत देखभाल छोड़ने वाले युवाओं के लिए 'आफ्टरकेयर स्कीम' की घोषणा की

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को मातृ दिवस के अवसर पर 'आफ्टरकेयर स्कीम फॉर यंग पर्सन्स' योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का उद्देश्य बच्चों को संरक्षण देना ही नहीं बल्कि उन्हें ऐसा सुरक्षित, सम्मानजनक और आत्मनिर्भर भविष्य देना है, जिसमें कोई भी बच्चा या युवा खुद को अकेला, असहाय या उपेक्षित महसूस न करे। इस योजना के लिए वर्तमान वित्त वर्ष में 3.5 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया है।

मुख्यमंत्री ने रविवार को मातृ दिवस के अवसर पर लाजपत नगर में विलेज कॉटेज होम में नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ आत्मीय मुलाकात की। महिला एवं बाल विकास द्वारा संचालित इस होम में मुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ संवाद भी किया।

'आफ्टरकेयर स्कीम' की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में वर्तमान समय में 88 चाइल्ड केयर इंस्टीट्यूशंस (सीसीआई) संचालित हैं। इन्हें सरकार और विभिन्न गैर-सरकारी संस्थाएं मिलकर चला रही हैं। इन संस्थानों में 18 वर्ष तक के बच्चों को देखभाल, सुरक्षा, शिक्षा, पुनर्वास और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसके अलावा दिल्ली में दो आफ्टरकेयर होम भी संचालित हैं, एक लड़कों के लिए और एक लड़कियों के लिए। यहां 18 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं को रहने, भोजन, शिक्षा सहायता और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार बच्चों को केवल संस्थागत देखभाल उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने पर लगातार कार्य कर रही है। इसके तहत बच्चों को शिक्षा, लाइफ स्किल्स, व्यावसायिक प्रशिक्षण, करियर एक्सपोजर, काउंसलिंग, व्यवहारिक और भावनात्मक सहयोग, व्यक्तित्व विकास, करियर मार्गदर्शन और पुनर्वास योजना जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सरकार का प्रयास है कि बच्चे वयस्क होने के बाद आत्मविश्वास के साथ सुरक्षित, स्वस्थ, सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन जी सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर वर्ष करीब 150 से 200 युवा 18 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद चाइल्ड केयर संस्थानों से बाहर आते हैं। संस्थानों में उन्हें कई तरह की सहायता मिलती है लेकिन बाहर आने के बाद उन्हें पढ़ाई जारी रखने, कौशल प्रशिक्षण लेने, रोजगार पाने, आर्थिक दिक्कतों का सामना करने और स्वतंत्र जीवन शुरू करने जैसी कई चुनौतियों से गुजरना पड़ता है। कई युवाओं को परिवार का पर्याप्त सहयोग या सुरक्षित माहौल भी नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि स्पॉन्सरशिप और फोस्टर केयर जैसी व्यवस्थाओं के तहत सहायता प्राप्त कर रहे बच्चों और युवाओं को भी वयस्क जीवन में आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शन, शिक्षा, कौशल विकास और पुनर्वास सहयोग की जरूरत होती है। सरकार की यह योजना ऐसे सभी युवाओं को जरूरी सहायता उपलब्ध कराने में मदद करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी परिस्थितियों और युवाओं को वयस्क जीवन में प्रवेश के दौरान निरंतर सहयोग की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार ने जुवेनाइल जस्टिस (केयर एंड प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन) एक्ट 2015 के तहत 'ऑफ्टर केयर स्कीम फॉर यंग पर्सन्स' को मंजूरी दी है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य संस्थागत देखभाल छोड़ने वाले युवाओं को आवश्यक सहयोग, मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराना है ताकि वे स्वतंत्र, सुरक्षित, सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन की ओर आगे बढ़ सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वित्त वर्ष 2026-27 में 3.5 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया है। योजना के तहत जरूरत के आधार पर युवाओं का आकलन किया जाएगा, पात्र लाभार्थियों की पहचान की जाएगी और उनके लिए व्यक्तिगत देखभाल योजनाएं तैयार किए जाएंगे। राज्य और जिला स्तर पर आफ्टर केयर सेवाओं की नियमित निगरानी और समीक्षा भी सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य स्तर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के सचिव की अध्यक्षता में 'स्टेट आफ्टर केयर कमेटी' गठित की जाएगी, जो योजना के लिए नीति निर्धारण, निगरानी और सुपरविजन का कार्य करेगी। वहीं, जिला स्तर पर संबंधित जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में 'डिस्ट्रिक्ट आफ्टरकेयर कमेटियां' बनाई जाएंगी, जो युवाओं की व्यक्तिगत पुनर्वास आवश्यकताओं का आकलन करेंगी, व्यक्तिगत देखभाल योजनाओं की समीक्षा करेंगी और उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की सिफारिश करेंगी।

संक्षिप्त खबरें

उत्तर-पूर्व दिल्ली में एक लड़के की हत्या, किशोर पकड़ा गया

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्व दिल्ली के न्यू उस्मानपुर इलाके में विवाद के बाद 15-वर्षीय एक लड़के की एक नाबालिग ने कथित तौर पर चाकू गोदकर हत्या कर दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना शनिवार शाम को तब सामने आई, जब पुलिस को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल से एक घायल लड़के को भर्ती किये जाने की सूचना मिली। उसने बताया कि लड़के ने बाद में दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार, हमले के बाद परिवारवाले लड़के को अस्पताल ले गए थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के आधार पर पुलिस ने इस मामले में 17-वर्षीय नाबालिग की संलिप्तता का पता लगाया है। अधिकारी ने बताया कि नाबालिग को हिरासत में लिया गया और उससे पूछताछ की गयी, तब 15-वर्षीय उस लड़के के साथ विवाद होने की बात स्वीकार की। पुलिस के अनुसार, नाबालिग की निशानदेही के आधार पर पुलिस ने अपराध में कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद किया।

अक्षरा थिएटर में सिंधी नाटक 'लव यू मॉम' का सफल मंचन

नई दिल्ली। अक्षरा थिएटर में शनिवार शाम सिंधी नाटक 'लव यू मॉम' का सफल मंचन किया गया। नाटक देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे और पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। नाटक में रानी भंभानी, बाबू भाई और टोनी भाई ने प्रभावशाली अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया। मां-बेटी के रिश्ते पर आधारित भावनात्मक कहानी को कलाकारों ने बेहद सहज और संवेदनशील ढंग से प्रस्तुत किया, जिस पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं। नाटक के निर्देशक डॉ. दीपक गुरनानी ने कलाकारों और दर्शकों का आभार जताते हुए कहा कि सिंधी भाषा और संस्कृति को जीवंत बनाए रखने के लिए ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। वहीं, नाटक के लेखक आर. के आहूजा की कहानी की भी दर्शकों ने सराहना की। मां-बेटी के प्रेम और आत्महत्या जैसे गंभीर विषय को मंच पर प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया गया। दर्शकों ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की मांग की।

मंगल पांडे को दी श्रद्धांजलि, हिन्दू राष्ट्र पंचायत में एकजुटता का आह्वान

नई दिल्ली। यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट की ओर से रविवार को पीतमपुरा स्थित दीपाली में हिन्दू राष्ट्र पंचायत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अमर क्रांतिकारियों और मंगल पांडे को श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा लोगों को एकजुट रहने का संकल्प दिलाया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों को विधिवत रूप से शिवास्त्र धारण करवाए गए और जात-पात, क्षेत्रवाद व भाषावाद से ऊपर उठकर समाज की एकता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राष्ट्रवादी शिव सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष जय भगवान गोयल ने कहा कि मंगल पांडे के विद्रोह की चिंगारी से 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत हुई थी। उन्होंने कहा कि आज देश को मजबूत और विकसित बनाने के लिए समाज को संगठित रहने की आवश्यकता है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की राजनीतिक परिस्थितियों और घुसपैठ जैसे मुद्दों का उल्लेख करते हुए सनातनी समाज से एकजुट रहने की अपील की। साथ ही भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की मांग भी दोहराई। कार्यक्रम में दीपक बंसल, राजेश गोयल, विजय अग्रवाल, शिंखा भारद्वाज, दिनेश जिंदल, प्रेमचंद गुप्ता, दिनेश गुप्ता, अवध कुमार, सचिन गर्ग और अन्य लोग मौजूद रहे।

तीन राज्यों में भाजपा की जीत से कार्यकर्ताओं में उत्साह : कपूर

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। कृष्णा नगर वार्ड के निगम पार्षद संदीप कपूर ने भाजपा की सफलता को जनहितकारी नीतियों और विकास कार्यों की जीत बताया है।संदीप कपूर ने कहा कि यह परिणाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर जनता के मजबूत विश्वास को दर्शाता है। उनके अनुसार भाजपा द्वारा किए गए विकास कार्यों का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचा है, जिसके कारण जनता लगातार पार्टी का समर्थन कर रही है। उन्होंने कहा कि देशभर में भाजपा कार्यकर्ता इस ऐतिहासिक जीत से बेहद उत्साहित हैं। जनता भाजपा सरकार की नीतियों और योजनाओं से संतुष्ट है तथा विकास आधारित राजनीति को समर्थन दे रही है। संदीप कपूर ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं और नीतियों का प्रभाव जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहा है। यही कारण है कि विभिन्न राज्यों में लोग भाजपा को भारी बहुमत से जीत दिला रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा शासन में देश का समग्र विकास होगा और पार्टी भविष्य में भी जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देती रहेगी।

संगठन के लिए प्रण और प्रशिक्षण अनिवार्य : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के अंतर्गत रविवार को नई दिल्ली एवं करोल बाग जिलों के प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित किया। रेखा गुप्ता ने कहा कि किसी भी संगठन के लिए प्रण और प्रशिक्षण दोनों अनिवार्य हैं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वह प्रक्रिया है, जो कार्यकर्ता के भीतर वैचारिक स्पष्टता और कार्यकुशलता विकसित करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता ही वह धुरी है, जो संगठन के विचारों और सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाता है। जब कार्यकर्ता

प्रशिक्षित और संकल्पित होता है, तब राष्ट्र निर्माण का संकल्प सिद्ध होता है। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश के कोने-कोने तक विचारधारा का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। अंग, बंग और कलिंग से लेकर गंगोत्री से गंगासागर तक, हर ओर सेवा और सुशासन का कमल खिला हुआ है। यह भाजपा के लाखों निष्ठावान कार्यकर्ताओं के समर्पण और अटूट परिश्रम का ही परिणाम है। इस अवसर पर भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज, भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र बब्बर सहित कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मुकरबा चौक पर जाम कम करेंगी दो महत्वपूर्ण परियोजनाएं

नई दिल्ली। मुकरबा चौक पर लगने वाले जाम को कम करने के लिए दिल्ली सरकार दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं को जल्द शुरु करेगी। इन दोनों परियोजनाओँ के लिए लंबे समय से रेलवे की मंजूरी लंबित थी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की पहल से रेलवे ने हैदरपुर बादली आरओबी (रेलवे ओवर ब्रिज) चौड़ीकरण और शालीमार बाग-संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर के एलिवेटेड लूप को मंजूरी दे दी है। इस मौके पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में डबल इंजन सरकार का लाभ आम जनता को मिल रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि रेलवे ने मुकरबा चौक एवं आसपास के क्षेत्र में जाम की समस्या से लोगों को काफी परेशानी होती है। इसे ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार ने दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं का खाका तैयार किया था ताकि जाम को कम किया जा सके।पहली परियोजना में हैदरपुर बादली स्थित आउटर रिंग रोड पर मौजूदा रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) का चौड़ीकरण करना था। वहीं दूसरी परियोजना में शालीमार बाग से संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर तक रेलवे ट्रैक को पार करने वाला प्रस्तावित एलिवेटेड लूप बनाना था। इन परियोजनाओं को लेकर दिल्ली सरकार और उत्तरी रेलवे के बीच विस्तृत तकनीकी परीक्षण एवं पत्राचार के बाद यह स्वीकृति मिल गई है। मुख्यमंत्री ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी में यातायात व्यवस्था को आधुनिक, सुरक्षित और बाधारहित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के ये दोनों क्षेत्र लंबे समय से भारी यातायात दबाव से प्रभावित रहे हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से जाम की समस्या में उल्लेखनीय कमी आएगी तथा लोगों को तेज, सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इन दोनों प्रस्तावित परियोजनाओं को लेकर रेलवे पीडब्ल्यूडी ने आवश्यक ड्रॉइंग और तकनीकी प्रस्ताव रेलवे को भेजे थे। परीक्षण के बाद रेलवे ने दोनों परियोजनाओं को व्यवहारिक मानते हुए डीआरएम की स्वीकृति से सैद्धांतिक एनओसी जारी की है। रेलवे ने निर्माण कार्य को निर्धारित सुरक्षा मानकों और तकनीकी निगरानी के अनुरूप संचालित करने की शर्त भी रखी है, ताकि भविष्य में रेल संचालन और यातायात व्यवस्था पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी के प्रमुख जाम बिंदुओं की पहचान कर वहां स्थायी समाधान करने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मुकरबा चौक, आउटर रिंग रोड और संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर जैसे क्षेत्र दिल्ली के सबसे व्यस्त परिवहन केंद्रों में शामिल हैं।

15 लाख के आयातित सिगरेट जब्त, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने दिल्ली के चावड़ी बाजार इलाके से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर करीब 15 लाख रुपए की प्रतिबंधित इम्पोर्टेड सिगरेट जब्त की हैं। दिल्ली पुलिस ने रविवार को बताया कि जब्त किए गए कंसाइनमेंट में इंटरनेशनल सिगरेट ब्रांड शामिल थे। बरामद सिगरेट के पैकेट पर भारतीय कानून के तहत जरूरी कानूनी हेल्थ वॉर्निंग नहीं थी, जिससे देश में इनकी बिक्री और डिस्ट्रीब्यूशन गैर-कानूनी है। 6 मई को क्राइम ब्रांच की आईएससी यूनिट को दिल्ली के चावड़ी बाजार के नया बांस रोड इलाके में बैन इम्पोर्टेड सिगरेट के गैरकानूनी स्टोरेज और होलसेल ट्रेड के बारे में जानकारी मिली थी, जिसके बाद एक स्पेशल रेडिंग टीम बनाई गई। जांच के दौरान पुलिस को इनपुट मिले कि मोहम्मद तौसीफ नाम के एक शख्स ने दिल्ली-6 में नया बांस रोड पर एक दुकान और फतेहपुरी में मस्जिद तबर

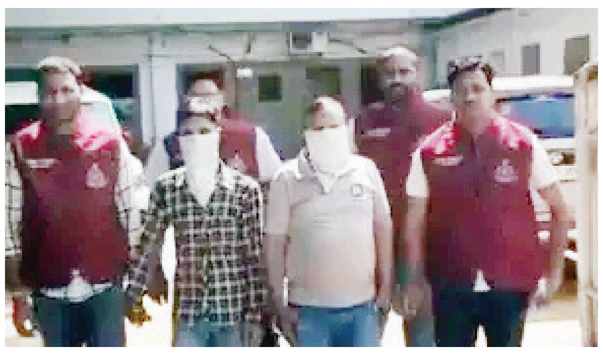

खान वाली के पास वाली गली में बने एक गोदाम में बड़ी मात्रा में बैन इम्पोर्टेड सिगरेट रखी थीं। पुलिस ने बताया कि आरोपी ऐसे इम्पोर्टेड सिगरेट प्रोडक्ट्स की होलसेल ट्रेडिंग में शामिल था। सर्विलांस से मिली जानकारी के आधार पर, दोनों जगहों पर एक साथ रेड की गई। गोदाम पर रेड के दौरान वहां आरोपी जुनैद अहमद मिला। गोदाम से अलग-अलग इंटरनेशनल ब्रांड की कुल 73,840 बैन इम्पोर्टेड सिगरेट बरामद की गईं। पुलिस ने दुकान की जगह से और 80 हजार बैन इम्पोर्टेड सिगरेट बरामद कीं। अधिकारियों ने बताया कि बरामद सिगरेट के किसी भी पैकेट पर सिगरेट और दूसरे तंबाकू प्रोडक्ट्स एक्ट (सीओपीटीए) के तहत जरूरी हेल्थ वॉर्निंग नहीं थी, जिससे ये प्रोडक्ट्स भारतीय नियमों के तहत गैर-कानूनी हो गए। कुल मिलाकर, क्राइम ब्रांच ने ऑपरेशन के दौरान 1,53,840 बैन इम्पोर्टेड सिगरेट बरामद कीं और जब्त कीं।

इस मामले में एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने मोहम्मद तौसीफ और जुनैद अहमद को गिरफ्तार किया। अधिकारियों की ओर से जानकारी दी गई कि लगातार पूछताछ के दौरान मोहम्मद तौसीफ ने बताया कि वह सप्लायर से बड़ी मात्रा में इम्पोर्टेड सिगरेट खरीदता था, जो एडवांस पेमेंट लेने के बाद कंसाइनमेंट डिलीवर करते थे। पुलिस की ओर से कहा गया कि तौसीफ ने बताया कि वह इम्पोर्टेड सिगरेट को दिल्ली और आस-पास के इलाकों में होलसेल और रिटेल दोनों मात्रा में अलग-अलग व्यापारियों और दुकानदारों को बांटता था। जांच करने वालों को यह भी पता चला कि मोहम्मद तौसीफ के कर्मचारी के तौर पर काम करने वाला जुनैद अहमद, गोदाम से सिगरेट के स्टोरेज और सप्लाई को संभालने के लिए जिम्मेदार था। अधिकारियों ने आगे बताया कि मोहम्मद तौसीफ पहले भी वर्ष 2023 में दर्ज ऐसे ही एक मामले में शामिल पाया गया था।

नालों की सफाई में लापरवाही से फिर बढ़ी जलभराव की आशंका : अभिषेक शर्मा

नई दिल्ली। लक्ष्मी नगर ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने राजधानी में नालों की सफाई को लेकर सरकार और संबंधित एजेंसियों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते सफाई कार्य पूरा नहीं किया गया तो इस वर्ष भी मानसून के दौरान दिल्ली को जलभराव की समस्या से जूझना पड़ सकता है। अभिषेक शर्मा ने कहा कि पिछले वर्ष भी बरसात से पहले नालों की सफाई में अनियमितताएं सामने आई थीं, जिसके कारण कई इलाके जलमग्न हो गए थे। उनका आरोप है कि इस बार भी नगर निगम और दिल्ली सरकार की विभिन्न एजेंसियां बेहद धीमी गति से काम कर रही हैं, जबकि मानसून आने में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के कार्यकाल में मानसून से पहले तैयारियां काफी पहले शुरू हो जाती थीं, लेकिन वर्तमान सरकार अपनी पिछली गलतियों से भी सबक नहीं ले रही है। शर्मा के अनुसार, इस वर्ष नालों और सीवरों से गाद निकालने का लक्ष्य 30 जून तक रखा गया है, जबकि पहले यह कार्य 31 मई तक पूरा करने का लक्ष्य होता था। उन्होंने हाल की बारिश का उल्लेख करते हुए कहा कि कई क्षेत्रों में थोड़ी बारिश के बाद ही जलभराव की स्थिति बन गई, जिससे सफाई कार्यों की खामियां उजागर हो गईं। अभिषेक शर्मा ने आरोप लगाया कि सरकार केवल घोषणाएं कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्य योजना लागू नहीं की जा रही। उन्होंने कहा कि जनता से किए गए वादों को पूरा करने के बजाय सरकार केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित नजर आ रही है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

पश्चिम बंगाल में नए दौर की शुरुआत : दीपक गाबा

नई दिल्ली। भाजपा शाहदरा जिला अध्यक्ष दीपक गाबा ने पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनने पर खुशी जताते हुए इसे राज्य की राजनीति में नए युग की शुरुआत बताया है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव विकास, सुशासन और जनता की बेहतरी के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। दीपक गाबा ने कहा कि भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही पश्चिम बंगाल में नई राजनीतिक दिशा की शुरुआत हुई है। उन्होंने राज्य की जनता को भाजपा को समर्थन देने के लिए बधाई दी और कहा कि लोगों की उम्मीदों का परिणाम अब सामने आ चुका है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल विकास और प्रगति के नए आयाम स्थापित करेगा। गाबा ने कहा कि भाजपा सरकार जनता के हितों को प्राथमिकता देते हुए राज्य में सुशासन स्थापित करेगी। दीपक गाबा ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे।

चुनाव परिणामों ने बदली राजनीतिक दिशा : दत्त शर्मा

नई दिल्ली। हाल ही में घोषित विधानसभा चुनाव परिणामों को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक दत्त शर्मा ने कहा कि इन नतीजों ने देश में नई राजनीतिक चेतना को जन्म दिया है। उन्होंने इसे जनता के विश्वास, मजबूत नेतृत्व और विकास आधारित राजनीति की जीत बताया। दत्त शर्मा ने कहा कि तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी को मिली सफलता यह दर्शाती है कि मतदाता अब स्थिर शासन, सुरक्षा और विकास को प्राथमिकता दे रहे हैं। उनके अनुसार जनता ने स्पष्ट रूप से ऐसे नेतृत्व का समर्थन किया है जो राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर निर्णय लेने में सक्षम हो। उन्होंने कहा कि पार्टी की संगठनात्मक मजबूती और बूथ स्तर तक सक्रिय कार्यकर्ताओं की मेहनत ने इस जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। निरंतर जनसंपर्क और जनहितकारी नीतियों के कारण लोगों का विश्वास भाजपा के प्रति और मजबूत हुआ है।

ऑपरेशन 'गैंग बस्ट' में दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई

करोल बाग फायरिंग केस के दो शार्प शूटर मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार, इंस्पेक्टर की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी गोली

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। मध्य और उत्तर जिला में गैंगस्टर्स व असामाजिक तत्वों के खिलाफ चलाए जा रहे दिल्ली पुलिस के विशेष अभियान "ऑपरेशन गैंग बस्ट" के तहत सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए करोल बाग फायरिंग केस के दो वांछित शूटरों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान दीपांशु उर्फ साहिल उर्फ बाउंसर और अविनाश के रूप में हुई है।

दोनों लंबे समय से पुलिस से बच रहे थे और प्रतिद्वंद्वी गैंग के शूटर की हत्या की फिराक में थे।मध्य जिले के डीसीपी रोहित राजवीर सिंह ने बताया कि 9 मई की रात स्पेशल स्टाफ, सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट को सूचना मिली थी कि दोनों बदमाश गांधी मार्केट गोलचक्कर से

सिविक सेंटर की ओर एक भूरे रंग की एक्टिवा स्कूटी पर आएंगे और रोहित उर्फ मोटा गैंग के शूटर को निशाना बना सकते हैं। सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर रोहित कुमार के नेतृत्व में टीम ने कमला मार्केट इलाके में जाल बिछाया।करीब 10:20 बजे जैसे ही दोनों बदमाश तुर्कमान रोड स्थित प्रतिभा विद्यालय के पास पहुंचे, पुलिस टीम ने उन्हें घेर लिया। खुद को घिरा देख आरोपियों ने स्कूटी और पेड़ की आड़ लेकर पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। बदमाशों द्वारा चलाई गई एक गोली इंस्पेक्टर रोहित कुमार की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। इसके बावजूद पुलिस टीम ने साहस दिखाते हुए जवाबी कार्रवाई की और दोनों बदमाशों को पैर में गोली मारकर दबोच लिया।घायल आरोपियों को तुरंत एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया

गया। मौके से एक पिस्टल, एक देसी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस, दस खाली खोखे और चोरी की स्कूटी बरामद की गई। जांच में पता चला कि बरामद स्कूटी मालवीय नगर इलाके से चोरी हुई थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दीपांशु उर्फ साहिल उर्फ बाउंसर, निवासी फैज रोड, अशोका पहाड़ी, करोल बाग, उम्र 28 वर्ष और अविनाश, निवासी तिब्बिया कॉलेज क्षेत्र, करोल बाग, उम्र 24 वर्ष के रूप में हुई है।पुलिस ने इनके कब्जे से एक पिस्टल व मैगजीन,एक देसी कट्टा,तीन जिंदा कारतूस, दस खाली खोखे और चोरी की एक्टिवा स्कूटी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार दीपांशु पहले भी लूट, मारपीट और गंभीर अपराधों के कई मामलों में शामिल रहा है, जबकि अविनाश पर भी लूट और फायरिंग के मामले दर्ज हैं। दोनों करोल बाग फायरिंग केस में वांछित थे। इस संबंध में कमला मार्केट थाने में विभिन्न धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

संपादकीय

पांच दलों पर टिकी टीवीके सरकार

रविवार को टीवीके नेता थलपति विजय ने तामिलनाडु में मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। उनके साथ नौ और मंत्रियों ने भी पद और गोपनीयता की शपथ ली। दो दिनों से सरकार बनाने के लिए आवश्यक 218 विधायकों के समर्थन की बाट जोह रहे विजय को शनिवार देर शाम सफलता हाथ लगी। टीवीके नेता विजय ने डीएमके से छिटकने वाली कांग्रेस, माकपा, भाकपा, वीसीके और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के सहयोग से समर्थन जुटा लिया है। विजय का अभिनेता से नेता बनना और उसके बाद मुख्यमंत्री पद तक पहुंचना किसी आश्चर्य से कम नहीं है। इसकी वजह यह है कि उन्होंने केवल दो वर्ष पूर्व अपने दल का गठन किया। इतने कम समय में पहले ही प्रयास में मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंच गए। उनकी जीत यह दर्शाती है कि तमिलनाडु में फिल्मी कलाकारों के प्रति लोगों की दीवानगी हद तक रहती है। इससे पहले तामिलनाडु में करुणानिधि और एमजीआर से लेकर जयललिता जैसी फिल्मी हस्तियों ने राजनीति में अपनी छाप छोड़ी। फिलहाल यह कहना जल्दबाजी होगी कि विजय मुख्यमंत्री के रूप में सफल होते है या नहीं। इसकी वजह यह है कि उन्हें प्रशासन चलाने का कोई अनुभव नहीं है। उनकी सरकार पांच दलों के सहयोग पर टिकी है, इसलिए यह कहा जा सकता है कि अभिनेता के रूप में उनकी तमाम लोकप्रियता होगी लेकिन शासन चलाना बहुत आसान नहीं होगा। भारत के अन्य राज्यों में तमिलनाडु अपेक्षाकृत एक समृद्ध राज्य है। ऐसे में नए मुख्यमंत्री ने जिस तरह एक साथ कई लोक-लुभावन वादे कर दिए उसे देखते हुए लगता है कि इन्हें पूरा करना आसान नहीं होगा। यहां यह सवाल उठता है कि आखिर आर्थिक दृष्टि से सक्षम तमिलनाडु में इतने लोक-लुभावन वादे क्यों करने पड़ते हैं। प्रायः सभी राजनैतिक दल ऐसा करते है। इसकी वजह है कि राज्य का एक तबका अभी भी निर्धनता की परिधि में है। यह एक विसंगति ही है। यहां प्रश्न लाजिमी है कि रेवड़ियां बांटकर निर्धनता को कैसे दूर किया जा सकता है। विजय के मामले में यह भी देखना होगा कि वे द्रविड़ दलों से अलग किस तरह की राजनीति को महत्व देते है। द्रविड़ पार्टियां हिंदी विरोध के साथ दिल्ली से टकराव मोल लेने की राजनीति करती रही हैं। इसके अलावा डीएमके और एआईडीएमके तमिल अस्मिता के नाम पर तमिलवाद को अग्रणी बनाने में विश्वास रखती है। तमिलवाद में क्षेत्रीय संकीर्णता हावी रही है। इससे एक तरह के अलगाववाद की भी बू आती रही है। फिलहाल आने वाले दिनों में पता चलेगा कि ईसाइयत को मानने वाले जोसेफ और उनके राजनीतिक दल की विचारधारा आखिर क्या है। टीवीके भाजपा को तो धार्मिक पार्टी मानती है, लेकिन मुस्लिम लीग को वह धार्मिक पार्टी नहीं मानती।

राम नाम से मस्तिष्क में प्रकट होता है आत्मज्ञान

ब्रह्म प्रकाश से बहुत से तंत्रिकाएं सक्रिय हो जाती हैं। सारे अलग-अलग प्राणीयो के झुंड में से एक एक प्राणी को थोड़ा दुर लेजाकर छोड़ दो तो समझ लेना वो वहां ही जायेगा जहां उनकी जात के प्राणी हो, इससे सिख मिलता है कि अवश्य हमें भी अपने ही साथी जनों के साथ रहना चाहिए अन्यथा दुसरे तो घेराव बना कर तोड़-मरोड़ देंगे मीराबाई ने जो अपने गुरु से दीक्षा ली है वो श्री राम नाम की ली है संत शिरोमणि रविदास जी से ली है रविदास जी श्री रामानंद जी महाराज के कृपा पात्र शिष्य हैं ! - नींद में सुधारः कुछ शोध बताते हैं कि शांत, सुकून देने वाला भगवान राम का ध्यान नींद की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है. ! रोग प्रतिरोधक क्षमताः नियमित रूप से भगवान राम के ध्यान से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत हो सकती है ! संक्षेप में, भगवान राम की दया और करुणामई कार्य को ध्यान कर मस्तिष्क एक सुकून और जिस चीज में मोह का अनुभव करता है वो भगवान राम की त्याग की भावनाओं, यादों और से शारीरिक प्रतिक्रियाओं को एक साथ प्रभावित करता है, जिससे समग्र मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है ! अगर आप अपने शरीर को मज़बूत बनाना चाहते हैं, तो जिम ना जाकर पहले मस्तिष्क को गलत विचारसे मुक़्त हो जाएँ।

संजय गोस्वामी

जब मस्तिष्क का जब दसवां भाग भी सही तरह से मनुष्य यूज नहीं कर रहा रहा ।तो उसका एक मात्र कारण है आत्मज्ञान का अभाव। ध्यान की प्रगाढ़ता से मस्तिष्क तंत्र अत्यधिक सक्रिय हो जाते हैं। ब्रह्म तेज से मस्तिष्क की सभी तंत्रिकाएं सक्रिय हो जाती हैं। इसलिए ध्यान में बैठना चाहिए।

ब्रह्म प्रकाश से बहुत से तंत्रिकाएं सक्रिय हो जाती हैं। सारे अलग-अलग प्राणीयो के झुंड में से एक एक प्राणी को थोड़ा दुर लेजाकर छोड़ दो तो समझ लेना वो वहां ही जायेगा जहां उनकी जात के प्राणी हो, इससे सिख मिलता है कि अवश्य हमें भी अपने ही साथी जनों के साथ रहना चाहिए अन्यथा दुसरे तो घेराव बना कर तोड़-मरोड़ देंगे मीराबाई ने जो अपने गुरु से दीक्षा ली है वो श्री राम नाम की ली है संत शिरोमणि रविदास जी से ली है रविदास जी श्री रामानंद जी महाराज के कृपा पात्र शिष्य हैं ! - नींद में सुधारः कुछ शोध बताते हैं कि शांत, सुकून देने वाला भगवान राम का ध्यान नींद की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है. ! रोग प्रतिरोधक क्षमताः नियमित रूप से भगवान राम के ध्यान से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत हो सकती है ! संक्षेप में, भगवान राम की दया और करुणामई कार्य को ध्यान कर मस्तिष्क एक सुकून और जिस चीज में मोह का अनुभव करता है वो भगवान राम की त्याग की भावनाओं, यादों और से शारीरिक प्रतिक्रियाओं को एक साथ प्रभावित करता है, जिससे समग्र मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है ! अगर आप अपने शरीर को मज़बूत बनाना चाहते हैं, तो जिम ना जाकर पहले मस्तिष्क को गलत विचारसे मुक़्त हो जाएँ। अगर आप अपने दिमाग़ की कसरत करना चाहते हैं, तो राम का भजन और संगीत सुनें। बहुत कम चीजें हैं जो रामरस आपके मस्तिष्क को उत्तेजित करती हैं। अगर आप उम्र बढ़ने की प्रक्रिया के दौरान अपने मस्तिष्क को सक्रिय रखना चाहते हैं, तो भगवान राम का शान्ति मन से ध्यान करें और चुप रहें उनपर छोड़ दीजिए वो जो करेंगे क़ोई और नहीं कर सकता है क्योंकि सृष्टि को उसी ने रचना की है राम नाम का ध्यान करने से चिंता, रक्तचाप और दर्द कम हो सकता है, साथ ही नींद की गुणवत्ता, मनोदशा, मानसिक सतर्कता और स्मृति में सुधार हो सकता है। नई वायु तत्व और मन - छप चुकी है। वायु हमारा जीवन है। सांस के बिना हम 5 मिनट से ज्यादा जीवित नहीं रह सकते। यह पुस्तक आप को जीवन में हर प्रकार की सफलता दिलाएगी। आप का जीवन महत्वपूर्ण बन जाएगा। इस प्रकार सर्वज्ञ, सर्वशक्तिमान, परमानंद स्वरूप, अविनाशी, करुणा वरूणालय ,कृपा सिंधु ,देखने और व्यवहार में सर्वांग सुंदर देवता उपासना का विज्ञान यही है की साधना का जीवन क्रम क्रम से कर्म, कारण, वासना ,और अहम एक अद्वितीय सच्चिदानंद ब्रह्म के प्रति समर्पित हो जाए ।काल क्रम से, महापुरुषों की कृपा से, अथवा वासनाक्षय से ,जब उसे उस ब्रह्म तत्व की प्राप्ति की जिज्ञासा हो जाएगी, तब परोक्ष देवता के सभी गुना का जो वास्तव में सच्चिदानंद के विलास हैं, समन्वय आत्मा के परमार्थ स्वरूप में उपलब्ध हो जाएगा, तत और त्वम की एकता के बोध से, -भगवान राम तत्व ज्ञा न प्राप्त किया जा सकता , जो कारक,फल रूप द्वैत प्रपंच का अपमर्दन हो जाता है। इसलिए बाद में तो किसी आरोप और उपासना की आवश्यकता ही नहीं है ।पहले करो तो ठीक

है, जब तक की सत्यप्रतिज्ञत्व, अहिंसकत्व, एवं निष्कामत्व, स्व प्रतिष्ठित ना हो जाए ।राम जड़ ध्यान के संबंध में अस्तेय होता है- चोरी न करना, जो जड़ वस्तु को अपने लिए आवश्यक और सुख रूप समझेगा, वही जड़ वस्तु की चोरी करेगा। अतःचिद् भाव का संबंध है अस्तेय का और अपरिग्रह का ज्ञान राम से प्राप्त होता है। इसी प्रकार सद्भाव के साथ संबंध है सत्य और अहिंसा का ।आनंद भाव का संबंध है ब्रह्मचर्य का। काम स्वब्रह्मचर्य भंग प्रधान है और संग्रह परिग्रह वह अन्य वस्तु संग्रह प्रधान है और दोनों आनंद के विवर्त हैं। तत्व ज्ञान के लिए भगवान राम की उपासना करेंगे तो यह संभव है। एकत्व ज्ञान से निवृत हुआ मिथ्या द्वैतज्ञान का फिर संभव नहीं है जिससे कि ब्रह्म उपासना विधि का अंग प्राप्त हो। यह पीस ब्रह्म सूत्र से लिया गया है।

एक दिन, मीरा ने भोजराज से कहा,आपकी आज्ञा हो तो एक निवेदन करूँ। क्यों नहीं? फरमाइए। भोजराज ने अति विनम्रता से कहा। मेड़ते में तो संत आते ही रहते थे। वहाँ सत्संग मिला करता था। प्रभु के प्रेमियों के मुख से झरती उनकी रूप-गुण-सुधा के पानसे सुख प्राप्त होता है, वह जोशीजी के सुख से पुराण कथा सुनने में नहीं मिलता ।यहाँ सत्संग का भाव मुझे सदा अनुभव होता है। भोजराज गम्भीर हो गये-यहाँ महलो में तो संतो के प्रवेश की आज्ञा नहीं है। हाँ, किले में संत महात्मा आते ही रहते है,किन्तु आपका बाहर पधारना कैसे हो सकता है ? सत्संग बिना तो प्राण तृषा (प्यास) से मर जाते है। मीरा ने उदास स्वर में कहा। ऐसा करते है, कि कुम्भ श्याम के मंदिर के पास एक और मंदिर बनवा दे। वहाँ आप नित्य दर्शन के लिए पधारा करें। मैं भी प्रयत्न करूँगा कि गढ़ में आने वाले संत वहाँ मंदिर में पहुँचे। इस प्रकार मैं भी संत दर्शन करके लाभ ले पाऊंगा और थोडा बहुत ज्ञान मुझे भी मिलेगा। जैसा आप उचित समझें -मीरा ने प्रसन्नता से कहा। महाराणा (मीरा के ससुर) का आदेश मिलते ही मंदिर बनना आरंभ हो गया। अन्तः पुर में मंदिर का निर्माण चर्चा का विषय बन गया महल में स्थान का संकोच था क्या? यह बाहर मंदिर क्यूँ बन रहा है? अब पूजा और गाना-बजाना बाहर खुले में होगा ? सिसौदियों का विजय ध्वज तो फहरा ही रहा है. अब भक्ति का ध्वज फहराने के लिए यह भक्ति स्तम्भ बन रहा है। जितने मुहँ उतनी बातें। मंदिर बना और शुभ मुहूर्त में प्राण-प्रतिष्ठा हुई। धीरे धीरे, सत्संग की धारा बह चली। उसके साथ ही साथ मीरा का यश भी शीत की सुनहरी धूप-सा सुहावना हो कर फैलने लगा। मीरा के मंदिर पधारने पर उसके भजन और उसकी ज्ञान वार्ता सुनने के लिए भक्तो संतो का मेला लगने लगा। बाहर से आने वाले संतो के भोजन, आवास और आवश्यकता की व्यवस्था भोजराज की आज्ञा से जोशीजी करते। गुप्तचरों से मन्दिर में होने वाली सब गतिविधियों की बातें महाराणा बड़े चाव से सुनते। कभी कभी वे सोचते - बड़ा होना भी कितना दुखदायी है ? यदि मैं महाराणा याँ मीरा का ससुर न होता , मात्र कोई साधारण जन होता तो सबके बीच बैठकर सत्संग -सुधा का मैं भी निसंकोच पान करता। मैं तो ऐसा भाग्यहीन हूं कि अगर मैं वेश भी बदलूँ तो पहचान लिया जाऊँगा। जैसे जैसे बाहर मीरा का यश विस्तार पाने लगा , राजकुल की स्त्री -समाज उनकी निन्दा में उतना ही मुखर हो उठा। किन्तु मीरा इन सब बातों से बेखबर अपने पथ पर दृढ़तापूर्वक पग धरते हुये बढ़ती जा रही थी।

उन्हें ज्ञात होता भी तो कैसे ? मीराबाई का विवाह महाराणा सांगा के पुत्र भोजराज से कर दिया गया। देवताओं ने ऋषियों से कहा कि भगवान राम ही रावण के अत्याचारों से मुक्ति दिला सकते हैं। बाद में मीरा के भक्ती से भोजराज सचमुच उनकी ढाल बन गये थे परिवार के क्रोध और अपवाद के भाले वे अपनी छाती पर झेल लेते ।भोजराज और मीराबाई के बीच मित्रता और समझ का संबंध था, भोजराज मीराबाई की काव्य प्रतिभा की सराहना करते थे और महल परिसर में भगवान कृष्ण का मंदिर बनवाने की उनकी इच्छा को पूरा करते थे।

घर की पहली शिक्षकः माँ और बदलता पालन-पोषण

- डॉ. सत्यवान सौरभ

माँ केवल एक शब्द नहीं, बल्कि जीवन की सबसे गहरी अनुभूति है। संसार में बच्चे की पहली पहचान, पहला स्पर्श, पहला भरोसा और पहली शिक्षा माँ से ही शुरू होती है। किसी भी समाज की सभ्यता और संवेदनशीलता इस बात से आँकी जा सकती है कि वहाँ मातृत्व को कितना सम्मान और महत्व दिया जाता है। आधुनिक समय में भले ही शिक्षा के बड़े-बड़े संस्थान, डिजिटल तकनीक और करियर की दौड़ ने जीवन की दिशा बदल दी हो, लेकिन आज भी यह सत्य उतना ही मजबूत है कि बच्चे की पहली शिक्षक उसकी माँ ही होती है।

बच्चा जब जन्म लेता है, तब वह इस दुनिया की भाषा नहीं जानता। वह शब्दों को नहीं समझता, लेकिन भावनाओं को महसूस करता है। माँ की गोद में उसे सुरक्षा मिलती है, उसके स्पर्श में अपनापन और उसकी आवाज़ में विश्वास मिलता है। यही वह शुरुआती शिक्षा है जो किसी किताब या स्कूल में नहीं मिलती। माँ बच्चे को केवल चलना या बोलना नहीं सिखाती, बल्कि जीवन को समझना भी सिखाती है। प्यार क्या होता है, दूसरों का सम्मान कैसे करना चाहिए, दुख में धैर्य कैसे रखना चाहिए और रिश्तों को कैसे निभाना चाहिए—इन सबका पहला पाठ घर में माँ ही पढ़ाती है।

विद्यालय बच्चों को विज्ञान, गणित और भाषा सिखाते हैं, लेकिन नैतिक मूल्य घर से आते हैं। बच्चा अपनी माँ के व्यवहार को रोज़ देखता है। वह देखता है कि माँ पूरे परिवार की ज़रूरतों का ध्यान कैसे रखती है, बिना थके हर सदस्य की चिंता कैसे करती है और अपने हिस्से की इच्छाओं का त्याग करके परिवार को प्राथमिकता कैसे देती है। यही दृश्य बच्चे के भीतर संवेदनशीलता, सहानुभूति और जिम्मेदारी की भावना पैदा करते हैं। बच्चा बोलने से पहले देखना सीखता है और वही देखी हुई बातें उसके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती हैं।

माँ बच्चे के चरित्र निर्माण की सबसे बड़ी आधारशिला होती है। यदि घर का वातावरण प्रेमपूर्ण और सम्मानजनक होगा, तो बच्चा भी समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करेगा। यदि माँ दूसरों के प्रति दया और सहानुभूति दिखाती है, तो बच्चा भी वही सीखता है। यही कारण है कि समाज की वास्तविक शिक्षा घरों में होती है, स्कूलों में केवल उसका विस्तार होता है।

लेकिन बदलते समय के साथ पालन-पोषण का स्वरूप भी बदल रहा है। आज की दुनिया पहले जैसी नहीं रही। महंगाई, करियर की प्रतिस्पर्धा और आधुनिक जीवनशैली ने परिवारों की संरचना और रिश्तों के स्वरूप को प्रभावित किया है। पहले संयुक्त परिवारों में बच्चे दादा-दादी, चाचा-चाची और पूरे परिवार के बीच बड़े होते थे। अब अधिकांश परिवार छोटे हो गए हैं। माता-पिता दोनों कामकाजी हैं और बच्चों के साथ बिताने का समय सीमित होता जा रहा है।

विशेष रूप से कामकाजी माताओं के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती है—करियर और मातृत्व के बीच संतुलन बनाना। समाज अक्सर यह मान लेता है कि यदि माँ घर से बाहर काम कर रही है तो वह बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पा रही होगी। लेकिन यह सोच अधूरी है। आज की माँ केवल घर संभालने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह आर्थिक जिम्मेदारियाँ भी निभा रही है। वह ऑफिस में काम करती है, घर लौटकर बच्चों की देखभाल करती है और परिवार की भावनात्मक जरूरतों को भी पूरा करती है। यह दोहरी जिम्मेदारी आसान नहीं है।

कई बार कामकाजी माताएँ अपराधबोध का शिकार हो जाती हैं कि वे अपने बच्चों को उतना समय नहीं दे पा रहीं जितना देना चाहिए। लेकिन पालन-पोषण केवल समय की मात्रा से तय नहीं होता, बल्कि उस समय की गुणवत्ता से तय होता है। यदि माँ सीमित समय में भी बच्चों के साथ संवाद करती है, उनकी भावनाओं को समझती है और सही संस्कार देती है, तो उसका प्रभाव गहरा होता है।

आज के बच्चे पहले की तुलना में अधिक आत्मनिर्भर हो रहे हैं। माता-पिता के व्यस्त रहने के कारण वे अपने छोटे-छोटे काम स्वयं करना सीख रहे हैं। वे समय का प्रबंधन करना, अकेले रहना और बदलते परिवेश में खुद को ढालना सीख रहे हैं। कई बच्चे अकेले समय में नई रचनात्मक गतिविधियों की ओर भी बढ़ रहे हैं। यह बदलाव सकारात्मक भी हो सकता है, यदि बच्चों को सही दिशा और भावनात्मक सहयोग मिलता रहे।

लेकिन इस बदलते पालन-पोषण के कुछ खतरे भी हैं। आज तकनीक ने बच्चों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और इंटरनेट बच्चों के जीवन का बड़ा हिस्सा बन चुके हैं। कई बार माता-पिता की व्यस्तता बच्चों को भावनात्मक रूप से अकेला कर देती है। बच्चे अपनी समस्याएँ साझा करने के बजाय डिजिटल दुनिया में खोने लगते हैं। ऐसे समय में माँ की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उसे केवल बच्चों की पढ़ाई या भोजन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनके मन की स्थिति को भी समझना चाहिए।

बच्चे को सबसे ज्यादा जरूरत संवाद की होती है। यदि माँ बच्चे से खुलकर बात करती है, उसकी परेशानियों को सुनती है और बिना डर के अपनी भावनाएँ व्यक्त करने का माहौल देती है, तो बच्चा मानसिक रूप से मजबूत बनता है। लेकिन यदि घर में संवाद खत्म हो जाए, तो बच्चा अंदर ही अंदर अकेलापन महसूस करने लगता है। यही अकेलापन आगे चलकर तनाव, अवसाद और व्यवहारिक समस्याओं का कारण बन सकता है। दुर्भाग्य से आधुनिक समाज में मातृत्व को लेकर भी एक कृत्रिम छवि बनाई जा रही है। सोशल मीडिया पर "परफेक्ट माँ" की तस्वीरें दिखाई जाती हैं—जो हमेशा मुस्कुराती रहती है, हर काम बिना थके करती है और कभी परेशान नहीं होती। लेकिन वास्तविक जीवन इससे अलग है। माँ भी इंसान है। उसकी भी अपनी थकान, परेशानियाँ और भावनाएँ हैं। इसलिए मातृत्व को केवल त्याग और बलिदान की मूर्ति बनाकर देखना उचित नहीं है। माँ को भी भावनात्मक सहयोग, सम्मान और विश्राम की आवश्यकता होती है।

भारतीय संस्कृति में माँ को हमेशा सर्वोच्च स्थान दिया गया है। "मातृ देवो भवः" केवल एक धार्मिक वाक्य नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक जीवन का मूल दर्शन है। लेकिन विडंबना यह है कि जिस माँ को सम्मान का प्रतीक माना जाता है, उसी के श्रम को अक्सर सामान्य मान लिया जाता है। घर का काम, बच्चों की देखभाल और परिवार की जिम्मेदारियाँ आज भी "काम" नहीं मानी जातीं। यह सोच बदलनी होगी। बच्चों को बचपन से यह सिखाना होगा कि माँ का श्रम केवल कर्तव्य नहीं, बल्कि प्रेम और समर्पण का अद्भुत उदाहरण है।

प्रदोष व्रत है अति मंगलकारी

प्रदोष व्रत अति मंगलकारी और शिव कृपा प्रदान करने वाला है। यह व्रत प्रत्येक महीने के कृष्ण व शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को रखा जाता है, इसलिए इसे वार के अनुसार पूजन करने का विधान शास्त्र सम्मत माना गया है। प्रत्येक वार के प्रदोष व्रत की पूजन विधि अलग-अलग मानी गई है। व्रती ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नानादि से निवृत्त होकर श्रद्धा और विश्वास के साथ भगवान का ध्यान करते हुए व्रत आरंभ करते हैं। इस व्रत के मुख्य देवता शिव माने गए हैं। उनके साथ पार्वती जी की भी पूजा की जाती है। इस दिन निराहार रहकर सायंकाल स्नान करने के बाद सफेद वस्त्रों में संध्या आदि करके शिव का पूजन किया जाता है। प्रदोष व्रत को करने से हर प्रकार का दोष मिट जाता है... इस व्रत के महात्म्य को गंगा नदी के तट पर किसी समय वेदों के ज्ञाता और भगवान के भक्त श्री सूत जी ने सौनकादि ऋषियों को सुनाया था। सूत जी ने कहा है कि कलियुग में जब मनुष्य धर्म के आचरण से हटकर अधर्म की राह पर जा रहा होगा, हर तरफ अन्याय और अत्याचार का बोलबाला होगा। मानव अपने कर्तव्य से विमुख होकर नीच कर्म में संलग्न होगा, उस समय प्रदोष व्रत ऐसा व्रत होगा जो मानव को शिव की कृपा का पात्र बनाएगा और नीच गति से मुक्त होकर मनुष्य उत्तम लोक को प्राप्त होगा। त्रयोदशी की रात्रि के प्रथम प्रहर में जो व्यक्ति किसी भेंट के साथ शिव प्रतिमा का दर्शन करता है, वह सभी पापों से मुक्त हो जाता है। सूत जी ने सौनकादि ऋषियों को यह भी कहा कि प्रदोष व्रत के पुण्य से कलियुग में मनुष्य के सभी प्रकार के कष्ट और पाप नष्ट हो जाएंगे। यह व्रत अति कल्याणकारी है, इस व्रत के प्रभाव से मनुष्य को अभीष्ट की प्राप्ति होगी। इस व्रत में अलग-अलग दिन के प्रदोष व्रत से क्या लाभ मिलता है, यह भी सूत जी ने बताया। सूत जी ने सौनकादि ऋषियों को बताया कि इस व्रत के महात्म्य को सर्वप्रथम भगवान शंकर ने माता सती को सुनाया था। मुझे यही कथा और महात्म्य महर्षि वेदव्यास जी ने सुनाया और यह उत्तम व्रत महात्म्य मैंने आपको सुनाया है। सूत जी ने कहा है प्रत्येक पक्ष की त्रयोदशी के व्रत को प्रदोष व्रत कहते हैं। सूर्यास्त के पश्चात रात्रि के आने से पूर्व का समय प्रदोष काल कहलाता है। इस व्रत में महादेव भोले शंकर की पूजा की जाती है। इस व्रत में व्रती को निर्जल रहकर व्रत रखना होता है।

आज का इतिहास

1752 - अमेरिका के फिलाडेल्फिया में अग्नि बीमा पालिसी की शुरुआत की गई।
1784 - अंग्रेजों और मैसूर के शासक टीपू सुल्तान के बीच संधि।
1833 - अमेरिका से क्यूबेक जा रहे जहाज लेडी ऑफ द लेक के हिमखंड से टकराकर अटलांटिक महासागर में डूबने से 215 लोगों की मौत।
1940 - ब्रिटिश ब्राडकास्टिंग सर्विस ने अपनी हिंदी सेवा की शुरुआत की।
1951 - राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद ने नवनिर्मित सोमनाथ मंदिर का उद्घाटन किया।
1962 - सर्वपल्ली राधाकृष्णन को भारत का राष्ट्रपति चुना गया। उन्होंने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का स्थान लिया।
1965 - बांग्लादेश में चक्रवाती तूफान में 17 हजार लोगों की मौत।
1988 - फ्रांस ने परमाणु परीक्षण किया।
1995 - संयुक्त राष्ट्र महासभा के कक्ष में 24 दिन तक चले सम्मेलन की समाप्ति पर परमाणु अप्रसार संधि को अनिश्चित काल के लिए स्थायी बना दिया गया।
1998 - भारत ने राजस्थान के पोखरण में तीन परमाणु परीक्षण किये।
1998 - यूरोप की एकल मुद्रा यूरो का पहला सिक्का बना।
2000 - दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में जन्मी 'आस्था' भारत का एक अरबवाँ बच्चा।
2001 - संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रक्षेपास्त्र रक्षा प्रणाली को भारत का समर्थन, अमेरिकी संसद ने संयुक्त राष्ट्र की देय राशि रोकी।
2002 - बांग्लादेश में नौका दुर्घटना में 378 लोग मरे।
2005 - बगलिहार परियोजना पर भारत-पाक मतभेदों को निपटाने हेतु विश्व बैंक ने तटस्थ विशेषज्ञ नियुक्त किया।
2007 - इस्त्रायल ने हमास से जुड़ी रिफ़ॉर्म एवं चेंज पार्टी को गैर-क़ानूनी घोषित किया।
2008 - न्यूयार्क के कॉर्नेल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने देश का पहला जेनेटिकली मोडिफाइड मानव भ्रूण तैयार किया।

समावेशी शासक थे छत्रपति शिवाजी महाराज

राम पुनियानी

छत्रपति शिवाजी महाराज महाराष्ट्र के सबसे लोकप्रिय शासक हैं। इन दिनों देश के अन्य इलाकों में उन्हें एक शीर्ष हिन्दू राष्ट्रवादी नायक के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा हैं। उन्हें लेकर कई बार विवाद खड़े हो चुके हैं। शिवाजी की लोकप्रियता समाज के किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं है। वे कई वर्गों के प्रिय है। उनकी जयंती पूरे राज्य में धूमधाम से मनाई जाती है और राज्य के सभी भागों में उनका यशोगान करने वाले पावड़े (लोकगीत) गाए जाते हैं। उन्हें लेकर विवाद इसलिए सामने आते हैं क्योंकि समाज के विभिन्न वर्ग उनकी जीवन और उनके कार्यों की व्याख्या अलग-अलग ढंग से करते हैं।

उनके संबंध में एक विवाद इस मुद्दे पर हुआ था कि उनकी प्रतिमा की स्थापना के लिए गठित समिति का प्रमुख बाबासाहेब पुरंदरे को बनाया गया था। कई लोगों का आरोप था कि पुरंदरे, शिवाजी को ब्राम्हणवादी रंग में पेश कर रहे हैं। एक अन्य विवाद तब खड़ा हुआ जब मानवाधिकार कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड द्वारा तैयार की गई इतिहास की पुस्तिका में बताया गया कि ब्राम्हणों ने उनका राज्याभिषेक करने से इंकार कर दिया क्योंकि वे क्षत्रिय नहीं थे। एक बार गणेशोत्सव के दौरान प्रदर्शित की गई एक झांकी में शिवाजी को अफजल खान पर खंजर से वार करते दिखाया गया था, जिससे समाज के एक बड़े वर्ग में नफरत भड़की।

इस समय दो मुद्दों को लेकर विवाद जारी है। पहला है आरएसएस के नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में बागेश्वरधाम बाबा द्वारा दिया गया भाषण। उल्लेखनीय है कि धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री नामक ये बाबा लोगों को अपना अनुयायी बनाने के लिए अंधविश्वास बढ़ाने वाले तौर-तरीके अपनाते हैं। वे एक पर्ची निकालते हैं और तरह-तरह की तरकीबों का इस्तेमाल कर लोगों को उनके व्यक्तिगत जीवन से संबंधित में जानकारियां देते हैं। उनके अनुयायियों की संख्या इतनी बढ़ गई है कि सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई तक उनका आशीर्वाद लेने सपरिवार उनसे मिलने गए। अंधविश्वास-विरोधी कार्यकर्ता श्याम मानव का कहना है कि केन्द्र में भाजपा के सत्तारूढ़ होने के बाद से अंधविश्वास में बढ़ोत्तरी हुई है और तरह-तरह के बाबा बड़ी संख्या में पनप रहे हैं।

आरएसएस के कार्यक्रम में इस ढ़ोंगी बाबा ने कहा कि शिवाजी महाराज युद्ध लड़ते-लड़ते थक गए थे इसलिए वे अपने गुरू समर्थ स्वामी रामदास के पास गए और उन्होंने अपना मुकुट उनके चरणों में रखते हुए उनसे अपना साम्राज्य संभालने का अनुरोध किया। इस वक्तव्य में दो बड़ी गलतियां थीं। पहली, रामदास शिवाजी के गुरू नहीं थे। यह ब्राम्हणवादियों द्वारा फैलाया गया झूठ है। यह मामला अदालत तक गया था जिसने यह फैसला दिया कि रामदास, शिवाजी के गुरू नहीं थे। शिवाजी के जीवन में ऐसी कोई घटना का जिक्र नहीं मिलता। यह वक्तव्य आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, केन्द्रीय मंत्री नितिन गड़करी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस की मौजूदगी में दिया गया और इनमें से किसी ने भी इस पर आपत्ति दर्ज नहीं करवाई।

जब इस मुद्दे पर शोर-शराबा हुआ तो बाबा ने यह कहते हुए माफ़ी मांग ली कि वे हिन्दू राष्ट्र के संबंध में अन्य बातों के अलावा शिवाजी के हिन्दवी स्वराज से भी प्रेरणा पाते हैं। यह दूसरा झूठ था। शिवाजी का हिन्दवी स्वराज भौगोलिक इलाके से संबंधित था। हिन्द से आशय भौगोलिक क्षेत्र से था, ना कि किसी धर्म से। शिवाजी के जीवन से भी इसकी पुष्टि होती है। वे सभी धर्मों का सम्मान करते थे। उनकी सेना में सिद्धि संबल, इब्राहिम गर्दी और दौलत खान सहित करीब 12 मुस्लिम जनरल थे। उन्होंने रायगढ़ के अपने किले में अपने मुस्लिम अधिकारियों और प्रजा के लिए एक मस्जिद बनवाई थी। मौलाना हैदर अली उनके विश्वसनीय सचिव थे। वे महिलाओं का दिल से सम्मान करते थे। उनके सैनिक बसेन के मुस्लिम शासक की सुंदर पुत्रवधु को उनके पास तोहफे के तौर पर लेकर आए। लेकिन उनका नैतिक चरित्र इतना उच्च था कि उन्होंने उसे पूर्ण सम्मान के साथ उसके परिवार के पास वापिस भिजवा दिया। बागेश्वरधाम बाबा की टिप्पणी जिस ब्राम्हणवादी नजरिए पर आधारित थी, उसी आख्यान को आरएसएस बढ़ावा देती है।

दूसरे विवाद का संबंध भाजपा के सहयोगी दल शिवसेना (एकनाथ शिन्दे) के बुलढ़ाना से विधायक संजय गायकवाड़ से है। गायकवाड़ ने यह धमकी देकर विवाद खड़ा कर दिया कि वे 1988 में प्रकाशित गोविन्द पानसरे की पुस्तक शिवाजी कोण होता? (शिवाजी कौन थे?) को लेकर उसके प्रकाशक की जीभ काट देंगे। गायकवाड़ को पुस्तक के शीर्षक में शिवाजी महाराज को केवल शिवाजी लिखने और उसमें इतिहास को तोड़मरोड़कर पेश करने पर आपत्ति थी। उन्होंने पुस्तक के वितरक प्रशांत अंबी को बुलाकर उन्हें धमकी दी कि उनका वही हाल होगा जो गोविंद पानसरे का हुआ था। ज्ञातव्य है कि गोविन्द पानसरे की सुबह की सैर के दौरान हत्या कर दी गई थी.। कत्ल की साजिश से जुड़े ज्यादातर लोग हिन्दू राष्ट्रवादी समूहों से संबंधित थे। आरोप है कि फोन पर गायकवाड़ ने गाली-गलौच भरी भाषा का इस्तेमाल किया और कोल्हापुर निवासी प्रकाशक प्रशांत अंबी को धमकाया कि तुम्हारा भी पानसरे जैसा अंजाम होगा''। इस बातचीत की रिकॉर्डिंग उपलब्ध है।

यह पुस्तक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता एवं तर्कवादी कार्यकर्ता गोविंद पानसरे ने गहन एवं विस्तृत शोध के बाद लिखी थी और मराठी में इसका शीर्षक रखा था 'शिवाजी कोण होता'। केवल नाम से सबसे घनिष्ठ लोगों को ही संबोधित किया जाता है। गायकवाड़ इस पर आपत्ति कर रहे हैं और इसे शिवाजी का अपमान बता रहे हैं। यह पुस्तक सन 1988 में प्रकाशित हुई थी और अब तक इसकी लाखों प्रतियां बिक चुकी हैं और इसे कई भाषाओं में अनुदित किया जा चुका है। एक तरह से यह सामान्य लोगों के लिए शिवाजी के बारे में एक आधारभूत पुस्तक बन गई है। इसमें शिवाजी के रैयत (निर्धन किसानों) के प्रति सहानुभूतिपूर्ण रवैये और सभी धर्मों के प्रति सम्मान को दर्शाया गया है। उनके दादा मालोजी राव भौंसले ने संतान प्राप्ति हेतु एक सूफी संत (शाह शरीफ) की दरगाह पर दुआ मांगी थी क्योंकि वे संतानहीन थे। बाद में जब उनके दो पुत्र हुए तो उन्होंने उनका नाम शाहजी और शरीफजी रखा। शिवाजी, शाहजी भोसले के पुत्र थे।

शिवाजी ने अपना साम्राज्य चन्द्र राव मोरे जैसे अपने पड़ोसी हिन्दू राजाओं पर आक्रमण करके स्थापित किया। आदिल शाह के सेनापति अफजल खान के साथ हुई लड़ाई में शिवाजी के मुस्लिम अंगरक्षक रूस्तम-ए-ज़मां ने उन्हें वह लोहे का पंजा दिया था, जिससे उन्होंने अफ़ज़ल खान को मारा था। मजे की बात यह है कि अफजल खान ने शिवाजी की पराजय के लिए स्थानीय ब्राम्हणों से यज्ञ करवाया था और उनके सचिव कृष्णाजी भास्कर कुलकर्णी थे! शिवाजी बेजोड़ मानवीय मूल्यों वाले व्यक्ति थे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

जोसेफ विजय की पहली घोषणा-हर घर को 200 यूनिट बिजली मुफ्त

चेननई। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख सी जोसेफ विजय ने आज शपथ ग्रहण करने के बाद तमिलनाडु सचिवालय में राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने शपथ ग्रहण के बाद सबसे पहले महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष बल के गठन और घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने से जुड़ी पहली फाइलों पर हस्ताक्षर किए।

जोसेफ विजय ने सबसे पहले राज्य के सभी घरों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की घोषणा वाली फाइल पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष बल (सिंगप्पेन स्पेशल टास्क फोर्स) के गठन की फाइल पर हस्ताक्षर किए। विजय ने नशा विरोधी अभियान और मादक पदार्थों की रोकथाम से संबंधित फाइलों पर भी हस्ताक्षर किए। विजय को इससे पहले चेन्नई स्थित जवाहरलाल नेहरू इंडोर

स्टेडियम में सुबह लगभग 10 बजे तमिलनाडु के प्रभारी राज्यपाल ने मुख्यमंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर समर्थकों और कार्यकर्ताओं के नारों से स्टेडियम गूंज उठा। उनके पिता और निर्देशक एस. ए. चंद्रशेखर और उनकी मां शोभा भावुक हो गए।समारोह में उनके परिवार के सदस्य, फिल्म जगत की हस्तियां और गठबंधन दलों के नेता भी शामिल हुए। इससे पहले आमतौर पर मुख्यमंत्री पद संभालने वाले नेता सचिवालय जाकर फाइलों पर हस्ताक्षर करते रहे हैं, लेकिन विजय ने शपथ ग्रहण करते ही जनता के सामने फाइलों पर हस्ताक्षर किए। इसमें वह फाइल भी शामिल है, जिसमें हर दो महीने में 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की घोषणा की गई है।

विजय अपने भाषण की शुरुात 'मेरे दिल में बसने वाले लोगो' से कहकर की। उन्होंने कह कि मुझे भी पता है कि जिंदगी में गरीबी क्या होती है। भूख क्या होती है। यह भी मैं जानता हूं। मैं किसी राजघराने से नहीं आया हूं। मैं आपमें से ही एक हूं। आपके परिवार के एक सदस्य जैसा हूं। मैं खुद को हमेशा ऐसा ही महसूस करता हूं। और आपने भी मुझे उसी तरह अपनाया, तभी आपने मुझे सिनेमा में इतना बड़ा स्थान दिया। विजय ने कहा कि मैं आप लोगों का ऋण चुकाने के लिए राजनीति में आया। तब आपने मुझसे कहा– 'आओ विजय हम संभाल लेंगे।' आपने मुझे इतना प्यार और अपनापन देकर स्वीकार किया। विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) ने अपने पहले ही चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए 108 सीटें जीतीं और कांग्रेस, वीसीके व वामदलों के समर्थन से बहुमत का आंकड़ा 118 पार किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत कई बड़े नेता शपथ समारोह में शामिल हुए।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने सरकार बनाने में समर्थन देने के लिए कांग्रेस, वीसीके और वामदलों को धन्यवाद किया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने लोगों से अपील की कि उन्हें कामकाज के लिए उचित समय दिया जाए ताकि परिणाम दिखाए जा सकें। उन्होंने राज्य की वित्तीय स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करने और पूरी पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ने की बात कही। साथ ही उन्होंने पिछली सरकार पर राज्य पर भारी कर्ज डालने का आरोप लगाया और कहा कि वह जनता से झूठे वादे नहीं करेंगे।

राजग विधायक दल के नेता चुने गए डॉ. हिमंत बिस्व सरमा

गुवाहाटी। असम में लगातार तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 12 मई को होगा। आज असम प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में राजग विधायक दल के नेता के रूप में निवर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा को सर्वसम्मति से चुन लिया गया ।

इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय पर्यवेक्षक केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मौजूद रहे। नड्डा ने विधायक दल की बैठक में विधायकों से परामर्श के बाद डॉ. हिमंत बिस्व सरमा को राजग विधायक दल का नेता चुने जाने की घोषणा की। डॉ. हिमंत बिस्व सरमा का नाम आठ वरिष्ठ विधायकों ने प्रस्तावित किया। रंजीत कुमार दास, बिश्वजीत दैमारी, अजंता नेओग, रामेश्वर तेली, राजदीप राय, अशोक सिंघल, पीयूष हजारिका, चक्रधर गोगोई ने उनके नाम का अनुमोदन किया। इसके बाद जेपी नड्डा ने डॉ. सरमा के नाम की घोषणा की। विधायक दल के नेता के नाम की घोषणा होते ही भारत माता की जय, जय श्री राम के नारों से पूरा भाजपा मुख्यालय गूंज उठा। राजग नेत असम गण परिषद (अगप) के नेता अतुल बोरा एव बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) रिहन दैमारी ने भी प्रस्ताव दिया।

मंच पर दोनों पर्यवेक्षकों के साथ ही प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया, प्रदेश भाजपा प्रभारी, प्रदेश सांगठनिक महासचिव, अगप के अध्यक्ष अतुल बोरा, बीपीएफ के नेता रिहन दैमारी समेत अन्य कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 126 सीटों में से 82 सीटों पर जीत हासिल की है। जबकि, सहयोगी पार्टी असम गण परिषद (अगप) 10 और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) 10 समेत कुल 102 सीटों पर एनडीए ने जीत हासिल की है। उल्लेखनीय है कि आगामी 12 मई को गुवाहाटी के खानापाड़ा खेल मैदान में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज में भावुक पल

छात्रा ने गीत गाकर विधायक बनी मां का किया स्वागत

कोलकाता। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर में रविवार को भावनात्मक माहौल देखने को मिला, जब एक छात्रा ने गीत के माध्यम से उस मां का स्वागत किया, जिसकी बेटी की दर्दनाक मौत ने कभी पूरे राज्य को झकझोर दिया था। हाल ही में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से विधायक निर्वाचित हुईं इस मां के कॉलेज पहुंचते ही छात्र-छात्राओं और उपस्थित लोगों के बीच गहरी संवेदना का माहौल बन गया।

मौके पर मौजूद पार्टी सहयोगी सोनिया जोसफ ने बताया कि कॉलेज परिसर में एक छात्रा ने गीत प्रस्तुत कर उनका स्वागत किया। गीत की पंक्तियों में संघर्ष, साहस और न्याय की मांग को प्रमुखता से उभारा गया। छात्रा ने गाया- 'तुम सच हो, तुम आग हो, तुम लड़ाई का चेहरा हो, बंगाल तुम्हारे साथ है, बुराई के काले चेहरे को तोड़ दो। मैदान में उतर कर लड़ाई करो तुम मां हो, झूठ को मिटा दोगी और बेसहारों को न्याय मिलेगा।' गीत आगे बढ़ते हुए मां के संघर्ष और शक्ति को समर्पित रहा। गीत की अन्य पंक्तियों में कहा गया कि तुम सत्य हो, तुम संध्या हो, तुम मां दुर्गा हो। असुरों का दमन तुम्हारे हाथों होगा मां। रत्ना मां की आंखों के आंसुओं का जवाब जनता देगी, अभया के साथ हुए अन्याय का बदला अब जनता

लेगी। इन मार्मिक पंक्तियों को सुनते ही कॉलेज परिसर का माहौल भावुक हो उठा। बेटी की यादों से जुड़े उसी परिसर में मौजूद मां की आंखें नम हो गईं। वहां उपस्थित कई छात्र-छात्राएं और अन्य लोग भी इस दृश्य को देखकर भावुक हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ क्षणों के लिए परिसर में गहरी खामोशी छा गई, जिसके बाद तालियों की गूंज सुनाई दी। कई लोगों ने इस भावुक पल को अपने मोबाइल फोन में कैद किया। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। उल्लेखनीय है कि इसी कॉलेज में हुई छात्रा की मौत की घटना ने पूरे राज्य में न्याय की मांग को लेकर व्यापक बहस और आंदोलन को जन्म दिया था।

चलती ट्रेन पर पत्थर फेंकने वाला युवक गिरफ्तार

खड़गपुर। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने चलती ट्रेन पर पत्थर फेंकने की घटना में शामिल एक युवक को गिरफ्तार किया है। घटना 13 अप्रैल को बालेश्वर–हल्दीपाड़ा रेलखंड के बीच हमसफर एक्सप्रेस में हुई थी। गिरफ्तार युवक की पहचान विभूति सामल (23) के रूप में हुई है। वह ओडिशा के जाजपुर जिले का रहने वाला है। रविवार दोपहर रेलवे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया, पूर्ण आरपीएफ पोस्ट बालेश्वर में इस मामले में 14 अप्रैल को रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 153 और 147 के तहत मामला दर्ज किया गया था। गुप्त सूचना के आधार पर नौ मई को आरपीएफ की टीम ने नुनियाझुरी पुल के पास घेराबंदी कर एक आरोपित को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने बताया कि वह ट्रेनों के दरवाजे या फुटबोर्ड के पास खड़े यात्रियों को निशाना बनाकर पत्थर फेंकता था, ताकि उनके हाथ से मोबाइल गिर जाए और वह उसे उठाकर बेच सके। आरोपित ने यह भी स्वीकार किया कि 13 अप्रैल की रात करीब 9:30 बजे वह शराब पीने के लिए पैसे जुटाने के उद्देश्य से नुनियाझुरी पुल के पास गया था। लेकिन ट्रेन के दरवाजे बंद होने और यात्रियों के पास न होने के कारण उसने गुस्से में चलती ट्रेन पर पत्थर फेंक दिए और वहां से भाग गया। पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी कर आरोपित को बालेश्वर की अदालत में पेश कर दिया है।

कश्मीर में गोल्फ पर्यटन को दिया जाएगा बढ़ावा: मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि सरकार कश्मीर को एक प्रमुख गोल्फिंग डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्तर के आयोजन करेगी। घाटी के गोल्फ कोर्स देश के सर्वश्रेष्ठ गोल्फ कोर्सों में शुमार हैं। मुख्यमंत्री ने रॉयल स्प्रिंग्स गोल्फ कोर्स में इंडिया गोल्फ कार्निवल 2026 का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से चर्चा में यह बात कही।

मुख्यमंत्री उमर ने कहा कि कश्मीर का गोल्फ से एक लंबा और ऐतिहासिक संबंध है और यहां विश्व स्तरीय गोल्फिंग बुनियादी ढांचा मौजूद है। उन्होंने कहा कि गोल्फ के साथ कश्मीर का बहुत पुराना रिश्ता है। अगर आप देश के सबसे खूबसूरत गोल्फ कोर्सों को देखें तो श्रीनगर, गुलमर्ग और पहलगाम के कश्मीरी कोर्स आसानी से उनमें गिने जा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्थानीय गोल्फ खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है और साथ ही जम्मू-कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इस

खेल का उपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट कश्मीर में गोल्फ को बढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम है। हम अपने स्थानीय गोल्फ खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना चाहते हैं और साथ ही युवा खिलाड़ियों की एक नई पीढ़ी को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं। उमर ने कहा कि टूर्नामेंट में देश के विभिन्न हिस्सों से आए प्रतिभागियों सहित 100 से अधिक गोल्फ खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उमर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के बाहर के गोल्फ खिलाड़ी लंबे सप्ताहांतों के दौरान विशेष रूप से गोल्फ खेलने के लिए श्रीनगर आने लगे हैं और उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस तरह की खेल गतिविधियां पर्यटन क्षेत्र को और मजबूत करेंगी।

उन्होंने कहा कि उत्तर भारत में जब भी लंबा सप्ताहांत होता है कई गोल्फ खिलाड़ी अब केवल गोल्फ खेलने के लिए श्रीनगर आते हैं। हमें उम्मीद है कि इससे पर्यटन को निश्चित रूप से लाभ होगा।

एल्विश यादव से लॉरेंस गैंग ने मांगी 10 करोड़ की रंगदारी

- विदेशी नंबर से आया मैसेज, 2 दिन में पैसे नहीं देने पर गोली मारने की चेतावनी, पहले भी घर पर हो चुकी है फायरिंग

गुरुग्राम। यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एल्विश यादव को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। इस बार कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर उनसे 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई है। धमकी विदेशी नंबर से व्हाट्सएप मैसेज के जरिए दी गई।

मैसेज भेजने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का करीबी रणदीप

मलिक बताया है। रविवार को मामले की शिकायत मिलने के बाद गुरुग्राम के सेक्टर-56 थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि कि धमकी के मैसेज कहां से भेजे गए। जानकारी के अनुसार, एल्विश यादव इन दिनों एक शो की शूटिंग के सिलसिले में गुरुग्राम से बाहर हैं। उनका इन दिनों कर्ल्स चैनल पर लाफ्टर शैफ शो चल रहा है। इसके अलावा वह अन्य चैनलों की शूटिंग भी कर रहे हैं। परिवार के सदस्यों ने बताया कि धमकी देने वाले ने दो दिन के भीतर रकम नहीं देने पर गोली मारने की चेतावनी दी है।

पुलिस अब नंबर की लोकेशन और कॉल डिटेल्स खंगालने में जुटी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, 5 मई को एल्विश यादव के मोबाइल पर एक विदेशी नंबर से व्हाट्सएप कॉल आई थी, लेकिन वह कॉल रिसीव नहीं कर पाए। इसके कुछ देर बाद उसी नंबर से एक मैसेज भेजा गया। मामले पर एल्विश यादव के पिता रामअवतार यादव ने कहा कि उनका बेटा मेहनत के दम पर इस मुकाम तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम में बहुत से संपन्न लोग रहते हैं और कोई भी किसी को धमकी देकर पैसे मांग सकता है। हालांकि उन्होंने कहा कि उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं है और ना ही कभी एल्विश ने कोई जानकारी साझा की। उल्लकि इससे 17 अगस्त 2025 को सेक्टर-56 स्थित एल्विश यादव के घर पर बदमाशों ने करीब 24 राउंड फायरिंग की थी।

बाइक सवार हमलावरों ने घर के दरवाजों, खिड़कियों और छत तक को निशाना बनाया था। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने दो शूटरों को गिरफ्तार किया था, जिन्हें फायरिंग के लिए कथित तौर पर 50-50 हजार रुपए दिए गए थे।

ट्रक ड्राइवर का पेड़ पर लटकता मिला शव

देवरिया। उत्तर प्रदेश में देवरिया जिले के सुरौली थाना क्षेत्र के जोकहा नकछेद टोला में रविवार को एक युवक का शव फांसी के फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच में जुट गई। सुरौली थाना प्रभारी थानेदार राय ने बताया कि सुरौली क्षेत्र के जोकहा नकछेद टोला के रहने वाले सोनू यादव (34) का शव पेड़ पर गमछा के सहारे फांसी के फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घटना के संबंध परिवार से पूछताछ की। परिजनों से पता चला कि सोनू यादव पेशे से ट्रक चालक और अक्सर बाहर रहते थे।

जवानों ने नागरिकों के साथ मिलकर जगाया फिटनेस और देशभक्ति का जज्बा

नई दिल्ली। देशभक्ति, फिटनेस और राष्ट्रीय एकता के एक शानदार उत्सव के रूप में 'फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल' के 73वें संस्करण ने रविवार की सुबह नई दिल्ली के प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम को उत्साह और ऊर्जा से भर दिया। इस साइकिलिंग अभियान में भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना के जवान नागरिकों के साथ शामिल हुए।

कार्यक्रम में 800 से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया, जिनमें सशस्त्र बलों के 60 प्रतिनिधि (सेना, नौसेना और वायु सेना से 20-20 प्रतिनिधि) शामिल हुए। साथ ही एथलीट, फिटनेस के शौकीन, छात्र और उनके परिवार भी शामिल हुए। कार्यक्रम में भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन एम.एल.एस. प्रसाद, भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल दारा सिंह और भारतीय नौसेना के कैप्टन मनीष सैन के साथ पहलवान प्रिया मलिक और दीक्षा मलिक भी उपस्थित थीं। इस अवसर पर ग्रुप कैप्टन एम.एल.एस. प्रसाद ने कहा कि आज मैं सामूहिक रूप से सशस्त्र बलों का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं। हमारे सैनिक-एथलीट साइकिलिंग दल का नेतृत्व कर रहे हैं और हमें इस बात की बहुत खुशी है कि 'फिट इंडिया' ने हमारे लिए इस विशेष संस्करण का आयोजन किया है। सशस्त्र बलों का यह प्रयास है कि देश का प्रत्येक नागरिक पूरी तरह से चुस्त-दुरुस्त रहे। लेफ्टिनेंट कर्नल दारा सिंह ने इस पहल के सामाजिक संदेश की तारीफ करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन 'नशा मुक्ति' और अनुशासन की भावना को मजबूत करते हैं। जिस तरह सेना के जवान सुबह जल्दी उठते हैं और चुस्त-दुरुस्त रहते हैं, उसी तरह हर नागरिक को भी एक सेहतमंद जीवनशैली अपनानी चाहिए। पहलवान दीक्षा मलिक ने भी लोगों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि यह सेहत के लिए बहुत अच्छा है। हर व्यक्ति चाहे वह युवा हो या बुजुर्ग, किसी भी पीढ़ी का हो, उसे ऐसा करना चाहिए।

इसमें आनंद, ऊर्जा और एकता है। जुम्बा सेशन, योग प्रदर्शन, रस्सी कूदने की गतिविधियां, वॉलीबॉल के खेल, नींबू-चम्मच दौड़ और मनोरंजन जोन ने पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को व्यस्त रखा। आयुष मंत्रालय की 'योग 365' पहल के तहत स्थापित एक विशेष योग परामर्श बूथ ने भी बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित किया, जहां प्रतिभागियों ने अपनी सेहत की जांच करवाई और योग विशेषज्ञों के साथ बातचीत की।

रायपुर जेल के 67 बंदियों को मिला कौशल प्रमाण-पत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी योजना निश्चय के अंतर्गत आज रविवार को केंद्रीय जेल और महिला जेल, रायपुर में एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा बंदियों को अपराध की दुनिया से दूर कर स्वावलंबन और सम्मानजनक जीवन की ओर अग्रसर करना है।

ज़ेन जी युवा बंदियों को अपराध के दलदल में वापिस जाने से रोकने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ की सभी जेलों में निश्चय कार्यक्रम संचालित है। इस कार्यक्रम में युवा बंदियों को कॉउंसिलिंग, अपराध बोध का ज्ञान, स्व-रोजगार उन्मुख कौशल प्रशिक्षण एवं रिहाई उपरांत स्वरोजगार हेतु बैंक के माध्यम से ऋण प्रदाय किया जाता है। समारोह के दौरान कुल 67 बंदियों को उनकी प्रशिक्षण अवधि पूर्ण होने पर कौशल विकास प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इनमें 38 महिला बंदिनी और 29 पुरुष बंदी शामिल हैं। निश्चय कार्यक्रम का उद्देश्य उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत के सहयोग से संचालित इस अभियान के तहत बंदियों को अपराध बोध का ज्ञान, मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग, और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण दिया जाता है। डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय जेल, रायपुर में आज कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र का विधिवत शुभारंभ किया गया। अब बंदी जेल के भीतर ही कंप्यूटर का बुनियादी और उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे।

'रंगला' बनाने का वादा करने वाली आप ने पंजाब के खजाने को 'कंगला' बना दिया : भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी (आप) पर पंजाब की जनता के विश्वास और जनादेश के साथ धोखा देने का आरोप लगाया है और कहा है कि 'रंगला' बनाने का वादा करने वाली आप ने पंजाब के खजाने को लूटकर 'कंगला' बना दिया है राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने शनिवार को भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आप पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि आप ने समृद्ध और खुशहाल पंजाब बनाने का वादा किया था, लेकिन राज्य को आर्थिक बर्बादी की ओर धकेल दिया।

उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता ने आप को पंजाब सरकार चलाने के लिए जनादेश दिया था, पंजाब को लूटने का नहीं। आप ने पंजाब को 'रंगला' बनाने का वादा किया था, लेकिन पंजाब के खजाने को 'कंगला' बनाने का काम किया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापे के दौरान कथित तौर पर नौवीं मंज़िल की बालकनी से 21 लाख रुपये नकद फेंके जाने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए

श्री चड्ढा ने पैसे के स्रोत और वैधता पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कोई भी ईमानदार व्यक्ति अपनी मेहनत की कमाई को इस तरह नहीं फेंक सकता। अगर यह पैसा ईमानदारी से कमाया गया होता तो कोई इसे नौवीं मंज़िल से नीचे नहीं फेंकता।

उन्होंने कहा कि 21 लाख रुपये छोड़िए, ईमानदारी से कमाए गए 21 रुपये भी कोई नहीं फेंकता। उन्होंने कहा कि यह घटना स्वयं भ्रष्टाचार और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग की ओर इशारा करती है। श्री चड्ढा ने जांच के दौरान सामने आए कथित दस्तावेजों का उल्लेख करते हुए कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कनाडा और ऑस्ट्रेलिया स्थित कंपनियों के जरिए सैकड़ों करोड़ रुपये की राउंड-ट्रिपिंग किए जाने के संकेत मिले हैं।

उन्होंने कहा कि विदेशी कंपनियों के माध्यम से धन के कथित लेनदेन से बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार के नेटवर्क का संकेत मिलता है। उन्होंने कहा कि ये खुलासे उन चिंताओं को सही साबित करते हैं जिन्हें पहले सात राज्यसभा सांसदों समेत कई नेताओं ने पार्टी से दूरी बनाते समय उठाया था। उन्होंने कहा कि पार्टी छोड़ चुके कई नेताओं ने लगातार चेतावनी दी थी कि आप अब उन सिद्धांतों पर नहीं चल रही जिनका वह दावा करती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के भीतर भ्रष्टाचार से जुड़े मुद्दे उठाने की कोशिशों को दबाया गया।

उन्होंने कहा कि एक तरफ पंजाब भारी कर्ज के बोझ से जूझ रहा है, दूसरी ओर आरोप सामने आ रहे हैं कि पंजाब के खजाने को लूटकर हवाला के जरिए पैसा विदेश भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता सत्ता में बैठे लोगों से जवाबदेही, ईमानदारी और पारदर्शिता की हकदार है। इस दौरान चड्ढा ने कहा कि जांच एजेंसियां अपना कानूनी काम करेंगी, लेकिन अंतिम फैसला पंजाब की जनता करेगी। उन्होंने कहा कि एजेंसियां अपना काम करेंगी, लेकिन असली कार्रवाई पंजाब की जनता करेगी। पंजाब की जनता इस विश्वासघात और लूट का जवाब लोकतांत्रिक तरीके से 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव में देगी।

राज्यपाल आनंदीबेन ने 'कैंसर फ्री वूमेन भारत यात्रा का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने रविवार को 'मदर्स डे' के अवसर पर जन भवन से स्त्री वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से रविवार को आयोजित 'कैंसर फ्री वूमेन भारत यात्रा–आनंदी मां एक जीवन बचाओ अभियान' का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया।

रैली जन भवन पोर्टिको से शुरू होकर महात्मा गांधी मार्ग से होते हुए अटल चौक, पार्क रोड, डॉ. भीमराव अम्बेडकर मार्ग, सिविल चौराहा और भानुमति रोड से गुजरते हुए सरोजिनी नायडू मार्ग चौराहे पर सम्पन्न हुई। रैली के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ्य, कैंसर जागरूकता एवं स्वस्थ भारत के संकल्प को लेकर समाज को जागरूक करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने अभियान की सराहना करते हुए संस्था के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि महिलाओं का स्वास्थ्य केवल परिवार ही नहीं बल्कि पूरे समाज की मजबूती का आधार है। समय पर जांच एवं जागरूकता से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की रोकथाम संभव है। रैली में 130 से अधिक लोगों ने सहभागिता कर 'स्वस्थ मां–सुरक्षित भविष्य' का संदेश जन–जन तक पहुंचाया।

कार्यक्रम में महिलाओं, युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। राज्यपाल ने संस्था को भविष्य में और व्यापक स्तर पर कार्य करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि ऐसे अभियान समाज में नई चेतना एवं सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनते हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि 'हर मां सुरक्षित हो, हर बहन जागरूक हो, हर बेटी स्वस्थ और सशक्त हो।'

यह अभियान केवल एक रैली नहीं, बल्कि समाज में स्वास्थ्य, जागरूकता एवं मानवीय संवेदनाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। रैली के शुभारंभ के अवसर पर विशेष कार्याधिकारी, राज्यपाल (अपर मुख्य सचिव स्तर) डॉ. सुधीर महादेव बोबडे सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड रैंकिंग में बागपत को मिला प्रदेशभर में 15वां स्थान

बागपत। उत्तर प्रदेश का बागपत जनपद विकास और सुशासन के क्षेत्र में लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। जिलाधिकारी अस्मिता लाल के कुशल निर्देशन और प्रभावी कार्यशैली के चलते जनपद ने शासन की ओर से जारी सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में प्रदेशभर में 15वां स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि से प्रशासनिक अधिकारियों में उत्साह का माहौल है।

जिलाधिकारी के नेतृत्व में विभिन्न विभागों की ओर से संचालित योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग, समयबद्ध क्रियान्वयन और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व, स्वच्छता, पेयजल, सड़क निर्माण और जनकल्याणकारी योजनाओं के बेहतर संचालन का सकारात्मक प्रभाव अब रैंकिंग में भी दिखाई देने लगा है। प्रशासन की ओर से डिजिटल मॉनिटरिंग, पारदर्शिता और जवाबदेही को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे शासन की योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंच रहा है। जनसुनवाई और शिकायत निस्तारण प्रणाली को भी मजबूत बनाया गया है। जिसकी मॉनिटरिंग की जा रही है।

जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने रविवार को कहा कि यह उपलब्धि पूरी प्रशासनिक टीम की मेहनत और जनसहयोग का परिणाम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों की गति इसी प्रकार बनाए रखते हुए जनहित की योजनाओं को पूरी पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ लागू किया जाए।

युगों तक लहराता रहेगा सनातन धर्म का परचम : नितेश सिंह

मीरजापुर। हिन्दू युवा वाहिनी मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितेश सिंह ने कहा कि सनातन धर्म और संस्कृति की महत्ता को कोई समाप्त नहीं कर सकता। अनेक आक्रांताओं के बावजूद सनातन धर्म आज भी मजबूती के साथ कायम है और उसका परचम युगों–युगों तक लहराता रहेगा।

रविवार को जिगना और गैपुरा में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने युवाओं से तिलक लगाने,कलावा बांधने और बच्चों को हनुमान चालीसा का पाठ कराने का आह्वान किया। उन्होंने संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं को समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद करने तथा शोषित और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए आगे आने की सीख दी। नितेश सिंह ने कहा कि कार्यकर्ता जनसुनवाई कार्यक्रमों में लोगों की समस्याओं के समाधान में सहयोग करें। उन्होंने मंडल स्तर पर प्रतिवर्ष 21 कन्याओं के विवाह कराने और शिक्षा से वंचित बच्चों का विद्यालयों में नामांकन कराने में सहयोग का आश्वासन दिया।

प्रदेश प्रभारी शशांक मिश्रा ने कहा कि सनातन का सूरज कभी अस्त नहीं होता। उन्होंने लोगों से तिलक–चंदन धारण करने और धर्म–संस्कृति के प्रति जागरूक रहने की अपील की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सचिव ए.के.अग्रवाल, सुरेश शर्मा, प्रमोद सिंह, कपिल चौबे, बिपुल मिश्रा,जगदीश निषाद, अजीत उर्फ सोनू पाठक, राजदेव विश्वकर्मा और प्रताप सिंह समेत अन्य लोगों ने अतिथियों का स्वागत किया।

नौ साल में कुछ नहीं हुआ तो नौ महीने में क्या करेंगे नए मंत्री : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार पर तंज कसते हुए कहा कि जब सरकार नौ साल में कुछ नहीं कर सकी, तो नए मंत्री नौ महीनों में क्या कर लेंगे।

मंत्रिमंडल विस्तार से पहले सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर सवाल किया कि मंत्रिमंडल में केवल छह रिक्तियां हैं, इससे ज्यादा तो दूसरे दल से पाला बदल कर आए लोग हैं, क्या उन सभी को मंत्री पद से नवाजा जाएगा? यादव ने कहा कि एक समाज के कई विधायकों में से किसी एक को चुना जाएगा तो चुनने का आधार क्या होगा? अगर ऐसा हुआ तो बाकी दल–बदलुओं का क्या होगा? उनकी उपेक्षा व अपमान को क्या कुछ ले–देकर शांत करा जाएगा? या उन्हें भी ये अहसास करा दिया जाएगा कि भाजपा किसी की सगी नहीं है?

उन्होंने कहा कि बाकी छूटे हुए लोग क्या अपने को ठगा सा महसूस नहीं करेंगे? और वे अपने चुनाव क्षेत्र में मुंह दिखाने लायक बचेंगे क्या? इसके अतिरिक्त प्रश्न ये भी है कि उनके अपने दल के जो लोग मंत्री बनने के इंतजार में सूखकर कांटा हो गये हैं, उन बेचारों का क्या होगा?

यादव ने यह भी कहा कि जिन वर्तमान मंत्रियों के विभाग कम किये जाएंगे तो क्या इससे जनता के बीच ये संदेश नहीं जाएगा कि वो नाकाम रहे, इसलिए उनसे मंत्रालय छीन लिया गया है? ऐसे मंत्री तो बिना लड़े ही क्या अपना चुनाव हार नहीं जाएंगे? सपा प्रमुख ने कहा कि साथी दलों को प्रतीक्षा के स्थान पर और कुछ मिलेगा या फिर उनको ये कहकर उपेक्षित कर दिया जाएगा तुम थे जिनके सहारे, वो हुए न तुम्हारे... वो तो ठग हैं पुराने... तुम ये सच न जाने। सपा अध्यक्ष ने सवाल किया कि जनता यह भी पूछ रही है कि आखिरी नौ महीनों में ये मंत्री क्या कर लेंगे, जब नौ वर्षों में सरकार कुछ नहीं कर सकी। यादव ने कहा कि ये भी वही करेंगे जो भाजपा सरकार करती आई है–भ्रष्टाचार और अत्याचार। पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) पर वार–ही–वार। महंगाई और बेरोजगारी की मार। ये जीना दुश्वार कर देंगे।"

सड़क हादसे में दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल की मौत

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में खेकड़ा थाना क्षेत्र में दिल्ली पुलिस में कार्यरत हेड कांस्टेबल की रविवार की सुबह ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे में मौत हो गई। थाना पुलिस ईस्टर्न पेरिफेरल पर लगे सीसीटीवी खंगाल रही है।

खेकड़ा थाना प्रभारी प्रभाकर कैंतुरा ने बताया कि हापुड़ जिले के थाना सिंभावली क्षेत्र के ग्राम कासमाबाद जमालपुर निवासी अरुण (38) पुत्र सतेंद्र दिल्ली पुलिस विभाग में हेड कांस्टेबल पद पर तैनात थे। इन दिनों अरुण सरिता विहार थाने में कार्यरत थे। रविवार सुबह अरुण बाइक से हरियाणा की ओर जा रहे थे। जैसे ही वह खेकड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत ईस्टर्न पेरीफेरल स्थित रेलवे ओवरब्रिज के पास पहुंचे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों से सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें तुरंत सीएचसी खेकड़ा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

साथ ही परिजनों को भी घटना की जानकारी दी गई। थाना प्रभारी ने बताया कि हादसे को अंजाम देने वाले वाहन की पहचान के लिए ईपीई पर लगे सीसीटीवी कैमरों देखे जा रहे हैं। मामले में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कानपुर में सट्टे में लाखों रुपये गंवाने के बाद युवक ने फांसी लगाकर दी जान

कानपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर, सेन पश्चिम पारा थाना अंतर्गत दीन दयाल पुरम इलाके में सट्टे और कर्ज के दबाव से परेशान 20 वर्षीय युवक ने रविवार को कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों को उसका शव कमरे में लटका मिला तो घर में चीख–पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच शुरू कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक की पहचान ऋतिक के रूप में हुई है। परिवार के अनुसार वह अपने भाई के साथ सैलून का काम करता था। परिजनों ने बताया कि उसे सट्टे की लत लग गई थी और इसी कारण वह लाखों रुपये हार चुका था। नुकसान के बाद उसने कई लोगों से उधार भी लिया था, लेकिन लगातार बढ़ते कर्ज और पैसों की मांग से वह काफी तनाव में रहने लगा था। परिवार के लोगों ने पुलिस को बताया कि शनिवार रात वह घर लौटा और अपने कमरे में चला गया। मां के बुलाने पर उसने खाना खाने से मना कर दिया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। आज जब वह काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आया तो भाई उसे जगाने पहुंचा। तो काफी आवाज देने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिला। खिड़की से देखने पर उसका शव फंदे से लटका दिखाई दिया।

इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच में मामला सट्टे में रुपये हारने और कर्ज के दबाव से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। फिलहाल किसी प्रकार की तहरीर नहीं मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रयागराज में छात्र की गोली मारकर हत्या

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित होलागढ़ थाना क्षेत्र के टोंड़ी का पूरा गांव के पास रविवार को एक छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद मोटरसाइकिल सवार तीन युवक फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। हत्या की वजह एक लड़के से विवाद सामने आ रहा है। सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव श्यामजीत सिंह ने बताया कि होलागढ़ थाना क्षेत्र के राजापुर चौबारा झवनी का पूरा गांव निवासी हिमांशु पासी (19) की गोली लगने से मौत हुई है। घटना के संबंध पूछताछ के दौरान जानकारी मिली है कि वह अपने मामा के घर पूरबनारा में रहकर पढ़ाई करता था ।रविवार को कुछ युवकों ने फोन करके बुलाया। हिमांशु अपने दो साथियों के साथ मोटरसाइकिल से टोड़ी का पूरा नहर की पुलिया के पास पहुंचा। वहीं पर एक अन्य मोटरसाइकिल से तीन युवक पहुंचे और दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। इसी दौरान एक युवक ने तमंचा निकालकर हिमांशु के सीने में गोली मारकर फरार हो गए। वारदात के बाद साथी हिमांशु को उपचार के लिए अस्पताल लेकर भागे और पुलिस को सूचना दी। स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में चिकित्सकों ने हिमांशु को घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

आगरा में तेज रफ्तार एंबुलेंस और टेंपो की आमने-सामने की टक्कर में पिता–पुत्र की मौत

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में रविवार की सुबह तेज रफ्तार एंबुलेंस द्वारा सामने से आ रहे टेंपो में जोरदार टक्कर मारने से टेंपो में बैठे एक ही परिवार के पांच सदस्यों में से पिता –पुत्र की मौत हो गई जबकि मां एवं दो अन्य छोटे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए।

आगरा में रविवार की सुबह थाना क्षेत्र जगदीशपुर अंतर्गत बिचपुरी क्षेत्र में सदर वन रोड पर तेज रफ्तार से आ रही एंबुलेंस ने सामने से आ रहे एक टेंपो मैं जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में टेंपो में सवार एक ही परिवार के पांच सदस्यों में से पिता व पुत्र की मौके पर मौत हो गई जबकि परिवार के ही तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्ष दर्शियों के मुताबिक आमने–सामने की टक्कर इतनी भीषण थी कि तेज रफ्तार के कारण दोनों वाहनों को संभलने का मौका नहीं मिला, टेंपो के खरपच्चे उड़ गए। पूरा परिवार दिल्ली से अपने निजी टेंपो संख्या डीएल 1 आर ईजी 1277 से अपने गांव सदरबन एक शादी कार्यक्रम में सम्मिलित होने आया था। आज सुबह करीब 9 बजे यह परिवार कहीं जा रहा था इसी दौरान बिचपुरी सदरवन रोड पर ही हादसा हुआ। टेम्पो में चालक नेम सिंह (36 वर्ष) पुत्र रोशन लाल, कांता उम्र करीब (34 वर्ष) पत्नी नेम सिंह शिवम (14 वर्ष), निखिल (12 वर्ष) व प्रशांत (10 वर्ष) पुत्रगण नेम सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए हैं जिन्हें उपचार हेतु निकटवर्ती सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिचपुरी ले जाया गया जहां चिकित्सकों द्वारा नेम सिंह व पुत्र शिवम को मृत घोषित कर दिया मृतकों को मोर्चरी भिजवा दिया गया है तथा इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल कांता, निखिल व प्रशांत को बेहतर इलाज हेतु एस एन हॉस्पिटल मेडिकल कॉलेज भिजवा दिया गया है। गांव सदर वन में शादी वाले घर में मातम छा गया है परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है। थाना प्रभारी जगदीशपुरा प्रदीप कुमार ने बताया कि एंबुलेंस को कब्जे में लेकर इसके चालक को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। प्रथम दृष्ट्या में स्थानीय लोगों से पूछताछ और सीसीटीवी से मिली जानकारी के अनुसार घटना तेज रफ्तार के कारण घटित होना प्रतीत हो रहा है। तहरीर मिलने पर अभियोग पंजीकृत किया जायगा। विधिक कार्रवाई की जा रही है।

हरिद्वार से लौट रही यात्रियों से भरी बस गंगा एक्सप्रेस-वे पर पलटी

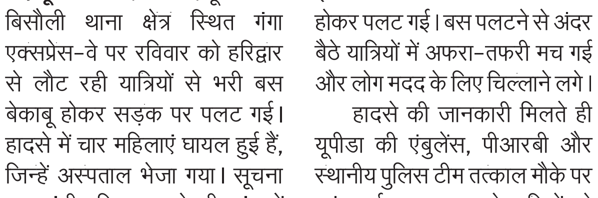

बदायूं। उत्तर प्रदेश में बदायूं जिले के बिसौली थाना क्षेत्र स्थित गंगा एक्सप्रेस–वे पर रविवार को हरिद्वार से लौट रही यात्रियों से भरी बस बेकाबू होकर सड़क पर पलट गई। हादसे में चार महिलाएं घायल हुई हैं, जिन्हें अस्पताल भेजा गया। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

बिसौली थाना प्रभारी कमलेश मिश्रा ने बताया कि एक टूरिस्ट बस हरिद्वार से गंगा एक्सप्रेस–वे होते हुए प्रयागराज जा रही थी। बिसौली थाना क्षेत्र के ग्राम फिरोजपुर के पास गंगा एक्सप्रेस–वे पर ड्राइवर को नींद की झपकी आ जाने के कारण अनियंत्रित होकर पलट गई। बस पलटने से अंदर बैठे यात्रियों में अफरा–तफरी मच गई और लोग मदद के लिए चिल्लाने लगे।

हादसे की जानकारी मिलते ही यूपीडा की एंबुलेंस, पीआरबी और स्थानीय पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंच गई। बचाव दल ने यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर घायलों को अस्पताल भिजवाया। दुर्घटना में प्रयागराज निवासी सुरेश चंद्र की पत्नी संगीता, मीरापुर निवासी सुनील की पत्नी विमला, विजय प्रकाश की पत्नी मीना और आलोक की पत्नी अंजू घायल हुई हैं।

इंडो-नेपाल अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर पर सामान के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बहराइच। इंडो–नेपाल अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर पर एसएसबी 59 वीं वाहिनी ने अभियान के दौरान जनपद बहराइच में दो नेपाली तस्करों को भारी मात्रा में अवैध सामान के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए तस्कर साइकिल से भारत से नेपाल सामान ले जाने की फिराक में थे।

एसएसबी की खुफिया शाखा एसीएन/एलए को सूचना मिली कि स्तम्भ संख्या 680 के पास से तस्करी की बड़ी खेप नेपाल जाने वाली है। सूचना पर एसआई (जीडी) चमन सिंह की अगुवाई में जवानों की नाका पार्टी गठित की गई और बीओपी सलारपुर में निगरानी बढ़ा दी गई। रविवार सुबह लगभग 5 बजे जवानों ने दो संदिग्ध व्यक्तियों को साइकिल पर भारी बैग लादे नेपाल की तरफ जाते देखा। जवानों ने उन्हें रुकने का इशारा किया, इस पर वे भागने लगे। जवानों ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया। पूछताछ में व्यक्तियों की पहचान नेपाल के बर्दिया जिले के गुलरिया थाना क्षेत्र के अशापुर गांव निवासी पवन लोध और अश्विनी कुर्मी के रूप में हुई है।

तलाशी के दौरान आरोपितों से करीब 120 किलो मटर, टॉयलेट सीट, 475 छाते, स्टील के टिफिन, चाकू, छन्नी, पलटा, स्टैण्ड सहित दो साइकिल भी बरामद हुई है। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि सलारपुर बाजार से सामान खरीदकर नेपाल में ऊंचे दामों पर बेचने के लिए ले जा रहे थे। एसएसबी ने जब्त सामान और आरोपितों को कस्टम कार्यालय मिहीपुरवा को सौंप दिया है। एसआई चमन सिंह ने बताया कि बॉर्डर पर तस्करी व अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने हेतु सघन अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें दो तस्कर गिरफ्तार किये गए हैं।

सुलतानपुर में 121 गुमशुदा मोबाइल बरामद

पुलिस ने वास्तविक स्वामियों को किए वापस

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में पुलिस की सर्विलांस सेल टीम ने 121 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 20 लाख रुपये है।

रविवार को इन्हें वास्तविक मालिकों को वापस किया गया। सुलतानपुर की पुलिस अधीक्षक चारु निगम के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक बृज नारायण सिंह के मार्गदर्शन में टीम ने 121 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए हैं। रविवार को इन सभी मोबाइलों को उनके वास्तविक स्वामियों के सुपुर्द कर दिया गया। अपना खोया हुआ मोबाइल वापस पाकर लोगों ने पुलिस और सर्विलांस टीम का आभार व्यक्त किया। पुलिस द्वारा जारी सूची के अनुसार सबसे ज्यादा वीवो और रियलमी के फोन बरामद हुए हैं। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि मोबाइल गुम होने या चोरी होने पर तत्काल भारत सरकार के सीईआरआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। स्थानीय थाने में शिकायत के साथ रसीद और पहचान पत्र लेकर पोर्टल पर जानकारी अपलोड करें।

दिल्ली के खिलाफ जीत की राह पर लौटने उतरेंगे पंजाब किंग्स

धर्मशाला। पंजाब किंग्स की टीम सोमवार को धर्मशाला के खूबसूरत मैदान में जब खराब फॉर्म से जूझ रही दिल्ली कैपिटल्स की मेजबानी करेगी तो इंडियन प्रीमियर लीग के आखिरी चरण में अपने प्रदर्शन में आई चौंकाने वाली गिरावट को रोकने की कोशिश करेगी। एचपीसीए स्टेडियम में 17 मई तक तीन मैच के साथ पंजाब की टीम अपने घरेलू चरण को समाप्त करेगी। अपने पिछले तीन लीग मैच में मिली हार के बाद टीम खेल के सभी विभागों में सुधार की उम्मीद कर रही होगी। उस टीम के लिए हालांकि अभी घबराने की कोई जरूरत नहीं है जो कुछ समय पहले तक इस टूर्नामेंट में एकमात्र अजेय टीम थी लेकिन लीग चरण के बाकी मुकाबलों के लिए उसे अपनी बुनियादी चीजों को ठीक करने की जरूरत है। हैदराबाद में टीम की कैचिंग बहुत खराब थी। इसके अलावा अर्शदीप सिंह की अगुवाई वाला तेज गेंदबाजी आक्रमण

काफी रन लुटा रहा है। प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह की सलामी जोड़ी भी अच्छी शुरुआत के बाद अब नाकाम हो रही है। श्रेयस अय्यर की अगुआई वाले पंजाब किंग्स को प्ले ऑफ में जगह बनाने के लिए अब भी कम से कम दो जीत की जरूरत है और ऐसे में टीम चाहती है कि उनके खिलाड़ी उन्हीं तरीकों पर कायम रहें जिनसे उन्हें टूर्नामेंट के पहले हाफ में सफलता मिली थी। टी20 जैसे अनिश्चित प्रारूप में लय बहुत अहम होती है और पंजाब किंग्स की टीम चाहेगी कि वे जल्द से जल्द फिर लय हासिल कर लें। दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स की नजरें पहले से ही अगले सत्र पर टिकी हैं क्योंकि वे अपने पिछले छह में से पांच मैच हारने के बाद अंक तालिका के निचले हिस्से में हैं। घरेलू मैदान पर दिल्ली का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है इसलिए वे पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के लिए स्थल में बदलाव का स्वागत करेंगे। उसके बल्लेबाज धीमी और टर्न लेने वाली पिचों पर खुद को ढालने में नाकाम रहे हैं जिससे उनकी कमजोरियां उजागर हुई हैं। प्रमुख स्पिनर कुलदीप यादव के साधारण प्रदर्शन ने टीम की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं जबकि मिचेल स्टार्क शायद बहुत देर से टीम से जुड़े। पंजाब किंग्स की तरह दिल्ली के क्षेत्ररक्षण ने भी उसे निराश किया है। आंकड़ों के लिहाज से दिल्ली की टीम अब भी प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर नहीं हुई है लेकिन इसकी बहुत कम संभावना है कि वे टूर्नामेंट में आगे बढ़ पाएंगे।

इस प्रकार हैं टीम

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, निहाल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसेन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्युसन, हरप्रीत बरार, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, प्रवीण दुबे, पायला अविनाश और विशाल निषाद।

दिल्ली कैपिटल्स: अभिषेक पोरेल, लोकेश राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल, आशुतोष शर्मा, दुष्मंता चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, आकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी साव, काइल जेमिसन, अजय जाधव मंडल, माधव तिवारी, साहिल पारख, करुण नायर, टी नटराजन।

समय: मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

बेहद आक्रामक टी20 दौर में टिके रहने के लिए गेंदबाजों को नए तरीके अपनाने होंगे: शेन बॉन्ड

जयपुर। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज शेन बॉन्ड का मानना है कि टी20 क्रिकेट में लगातार बेहद आक्रामक होती जा रही बल्लेबाजी के साथ तालमेल बैठाने के लिए गेंदबाजों को खुद को बदलना होगा और नए तरीके अपनाने होंगे। उनका मानना है कि जो गेंदबाज अपने कौशल को सफलतापूर्वक निखार पाते हैं वे इस प्रारूप में 'सुपरस्टार' बन सकते हैं। मौजूदा सत्र में राजस्थान रॉयल्स की गेंदबाजी की मुश्किलें शनिवार को भी जारी रहीं जब गुजरात टाइटंस के खिलाफ उन्हें 77 रन की करारी हार का सामना करना पड़ा और इस दौरान उन्होंने 229 रन लुटा दिए। यह 11 मैच में सातवीं बार था जब रॉयल्स ने विरोधी टीम को 200 रन का आंकड़ा पार करने दिया। रॉयल्स के गेंदबाजी कोच बॉन्ड ने माना कि उनकी टीम जानी-पहचानी परिस्थितियों के हिसाब से खुद को अच्छी तरह ढालने में नाकाम रही है। मैच के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में बॉन्ड ने कहा, ''हम उन परिस्थितियों में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए जिन्हें हम जानते हैं। विरोधी टीम ने हमें पूरी तरह से पछाड़ दिया। जब मैं गेंदबाजों

को देखता हूं तो मुझे लगता है कि उन्हें और बेहतर प्रदर्शन करना होगा, है ना? आपको हटकर कुछ अलग सोचना होगा।'' उन्होंने कहा, ''दो बातें अहम हैं: फैसले लेना और उन्हें सही तरीके से लागू करना। मुझे लगता है कि आज रात आपने शायद यह गौर किया होगा कि गेंदबाजों का प्रदर्शन लंबे समय तक एक जैसा और निरंतर नहीं रहा। और मुझे लगता है कि अगर आप पूरे आईपीएल पर नजर डालें तो हर जगह लगभग यही स्थिति देखने को मिली है।'' आईपीएल में बल्लेबाजी के स्तर और रन बनाने की गति में लगातार हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए बॉन्ड ने कहा कि गेंदबाजों को अपनी रणनीति पर फिर से विचार करना होगा और उन्हें परिस्थितियों के हिसाब से खुद को और बेहतर ढालना सीखना होगा। उन्होंने कहा, ''बल्लेबाज बेहद आक्रामक अंदाज में खेल रहे हैं और गेंदबाजों पर दबाव बना रहे हैं। ऐसे में एक गेंदबाज के तौर पर आपको खुद से यह सवाल पूछना होगा कि 'मैं ऐसा क्या अलग कर सकता हूं जिससे स्थिति मेरे पक्ष में हो जाए?'' बॉन्ड ने कहा, ''उन्हें टीम के विश्लेषकों के साथ अधिक समय बिताना होगा जिससे कि उन्हें ठीक-ठीक पता चल सके कि कौन सा बल्लेबाज किस तरह के शॉट खेलने वाला है और वे मैदान के किन हिस्सों में अधिक रन बनाने की कोशिश करेंगे।'' आईपीएल के मौजूदा सत्र में टीमें 200 से अधिक रनों के लक्ष्य को भी काफी आसानी से हासिल करती हुई नजर आ रही हैं। बॉन्ड ने बताया कि कैसे बल्लेबाजों ने रन बनाने के अपने तरीकों का दायरा बढ़ाया है जिससे गेंदबाजों को भी उसी गति से खुद को बदलने पर मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने कहा, ''अब आप बल्लेबाजों को देखिए।

सुपर रेपिड एवं ब्लिट्ज: गुकेश छठे स्थान पर रहे, नीमैन को खिताब

वारसॉ। विश्व चैंपियन डी गुकेश को छठे स्थान से संतोष करना पड़ा जबकि अमेरिका के हेन्स मोके नीमैन ने अंत तक धैर्य बरकरार रखते हुए 'सुपर रेपिड एवं ब्लिट्ज' का खिताब जीत लिया। यह टूर्नामेंट 'ग्रैंड चेस टूर' का हिस्सा है। गुकेश ने 36 संभावित अंक में से 17 अंक हासिल करके अपना अभियान समाप्त किया। खिलाड़ियों ने नौ रेपिड और 18 ब्लिट्ज बाजियां खेलीं। हर रेपिड बाजी जीतने पर दो अंक और ब्लिट्ज बाजी जीतने पर एक अंक निर्धारित था। गुकेश ने रेपिड में नौ और ब्लिट्ज में आठ अंक जुटाए। हालात और भी खराब हो सकते थे लेकिन गुकेश ने आखिरी दौर में पोलैंड के डूडा यान-क्रिस्टोफ को हराकर वापसी की। गुकेश ने ग्रैंड चेस टूर के मुख्य टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था और इस साल वे केवल रेपिड और ब्लिट्ज प्रारूपों में ही खेलेंगे। सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन गुकेश इस साल के अंत में नार्वे शतरंज टूर्नामेंट के अलावा अमेरिका के जावोखिर सिंदारोव के

खिलाफ विश्व चैंपियनशिप मुकाबला भी खेलने वाले हैं। गुकेश को आखिरी दिन तीन जीत मिलीं। उन्होंने अमेरिका के वेस्ली सो, नीमैन और डूडा को हराया। उन्हें चार हार का सामना करना पड़ा जिसमें सिंदारोव के खिलाफ शिकस्त भी शामिल है। सिंदारोव ने गुकेश के साथ खेले गए तीन मैच की व्यक्तिगत भिड़ंत में 2-1 के अंतर से जीत हासिल की। नीमैन ने आखिरी दो दौर जीते और टूर्नामेंट का समापन कुल 22.5 अंक के साथ किया। उन्हें ट्रॉफी के अलावा 50 हजार डॉलर का पहला पुरस्कार भी मिला। अंतिम दौर में नीमैन ने पोलैंड के राडोस्लाव वोज्टाजेक को हराया। अमेरिका के फाबियानो करुआना 22 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे जो वेस्ली से एक अंक अधिक है। स्लोवेनिया के व्लादिमिर फेडोसेव 18 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहे जबकि फ्रांस के अलिरेजा फिरोजा ने पांचवां स्थान हासिल किया। ग्रैंड चेस टूर का कारवां अब 'सुपर क्लासिक' टूर्नामेंट के लिए रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट की ओर बढ़ेगा और इस टूर्नामेंट में भारत की ओर से एकमात्र खिलाड़ी आर प्रज्ञानानंदा हिस्सा लेंगे।

जस्टिना ने तुमकुरु ओपन आईटीएफ का एकल खिताब जीता

तुमकुरु (कर्नाटक)। शीर्ष वरीयता प्राप्त जस्टिना मिकुल्सकाइट ने रविवार को यहां आईटीएफ डब्ल्यू35 तुमकुरु ओपन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग का खिताब जीता जब दूसरी वरीयता प्राप्त जुजाना पावलिकोवस्का को चोट के कारण मैच से हटना पड़ा। कंधे की चोट के कारण शनिवार को युगल फाइनल से हटने वाली जुजाना ने तकलीफ में होने के बावजूद खिताबी मुकाबले के लिए तुमकुरु जिला टेनिस संघ स्टेडियम के कोर्ट पर उतरकर जबरदस्त हिम्मत दिखाई। हालांकि पहले गेम के बाद पोलैंड की खिलाड़ी मैच जारी नहीं रख सकीं जिससे जस्टिना ने जीत दर्ज की। इससे दर्शकों को निराशा हाथ लगी जो शीर्ष दो वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों के बीच रोमांचक फाइनल की उम्मीद में आए थे। यह जस्टिना का आठवां आईटीएफ एकल खिताब है। ट्रॉफी के साथ लिथुआनिया की इस खिलाड़ी को विजेता के तौर पर 4,860 डॉलर और 35 डब्ल्यूटीए रैंकिंग अंक भी मिले। जुजाना को उपविजेता रहने के लिए 2,637 डॉलर और 23 डब्ल्यूटीए अंक मिले।

दीपिका की अगुआई में भारतीय महिला रिकर्व टीम ने चीन को हराकर विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता

शंघाई। दीपिका कुमारी, अंकिता भकत और कुमकुम मोहोद की भारतीय महिला रिकर्व टीम ने रविवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में मेजबान और खिताब के प्रबल दावेदार चीन को शूट ऑफ में हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया। रोमांचक फाइनल में भारत ने पहला सेट जीता लेकिन चीन ने वापसी करते हुए मुकाबला बराबर कर दिया। निर्धारित चार सेट के बाद स्कोर बराबर रहने के कारण शूट ऑफ कराया गया। भारतीय तिकड़ी ने निर्णायक क्षणों में संयम बनाए रखते हुए 5-4 (28-26) से जीत दर्ज की। अनुभवी दीपिका ने दबाव के बीच अंतिम शूट ऑफ तीर पर अहम नौ अंक जुटाकर भारत को 2021 के बाद पहला विश्व कप स्वर्ण पदक दिलाया। इससे पहले भारत ने सेमीफाइनल में रिकॉर्ड 10 बार के ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। ग्वाटेमाला सिटी और पेरिस में 2021 में भारत की विश्व कप जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रहीं दीपिका के

नाम 2010 से अब तक सात विश्व कप टीम स्वर्ण पदक हो गए हैं। यह भारतीय महिला रिकर्व टीम का तीन साल में पहला विश्व कप पदक भी है। इससे पहले टीम 2023 में पेरिस में चरण चार में पोडियम पर पहुंची थी जिसमें अंकिता पदक जीतने वाली टीम की सदस्य थीं। शंघाई में भारत अब तक दो पदक जीत चुका है। इससे पहले कंपाउंड तीरंदाज साहिल जाधव ने शनिवार को कांस्य पदक जीतकर देश के पदक का खाता खोला था। भारत एक और पदक की दौड़ में बना हुआ है। रिकर्व तीरंदाज सिमरनजीत कौर दिन में बाद में सेमीफाइनल में उतरेंगी और विश्व कप में अपना पहला पदक जीतने के लिए उन्हें एक जीत की जरूरत है। नियुक्तियों को लेकर चल रहे गतिरोध के बीच बिना किसी पूर्णकालिक राष्ट्रीय कोच के यात्रा करते हुए बेहद अनुभवी दीपिका ही थीं जिन्होंने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और लगातार अपनी टीम की साथियों का हौसला बढ़ाया। प्रफुल्ल डांगे को उनकी शिष्या कुमकुम के राष्ट्रीय ट्रायल में शीर्ष पर रहने के बाद महिला रिकर्व कोच नियुक्त किया गया था लेकिन वह काफी हद तक पृष्ठभूमि में ही रहे जबकि दीपिका ने घरेलू दर्शकों और मुखर चीनी सहयोगी स्टाफ के दबाव भरे पलों में टीम का मार्गदर्शन किया। पिछले साल विश्व कप में पदार्पण करने वाली खिलाड़ियों झू जिंगयी, हुआंग युवेई और यू क्यूई की चीन की टीम के खिलाफ भारत शुरुआत में ही नियंत्रण में दिखा लेकिन पहला सेट (54-53) जीतने के बाद विरोधी टीम को वापसी का मौका दे दिया। भारतीय तिकड़ी में सबसे अंत में निशाना साधते हुए दीपिका ने लगातार 10 अंक बनाए जिसके अंकिता (8-8) और 17 वर्षीय कुमकुम (10-8) के उतार-चढ़ाव वाले प्रदर्शन के बावजूद भारत पहला सेट जीतने में सफल रहा। दीपिका ने दूसरे सेट में भी अपनी बेहतरीन लय जारी रखी और एक और 'परफेक्ट 10' लगाया जिससे भारत तीन शॉट के बाद एक अंक की बढ़त (28-27) बनाने में सफल रहा।

एनटीपीसी ने परमाणु परियोजना के लिए पहला व्यवहार्यता अध्ययन तैयार किया

नई दिल्ली। बिजली क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एनटीपीसी जल्द ही परमाणु परियोजना के लिए अपना पहला व्यवहार्यता अध्ययन परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) को सौंपेगी और इस योजना पर आगे बढ़ने के लिए उसकी मंजूरी मांगेगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह मंजूरी मिलने से एनटीपीसी के लिए भारत में अपनी पहली स्वतंत्र परमाणु परियोजना पर काम शुरू करने का रास्ता साफ हो जाएगा। सार्वजनिक क्षेत्र की यह कंपनी 2032 तक कम से कम दो गीगावाट परमाणु क्षमता हासिल करने की इच्छुक है। इसके अलावा, कंपनी दो और राज्यों में व्यवहार्यता अध्ययन करने की प्रक्रिया में है। उसे बिहार के बांका जिले में परमाणु परियोजना के लिए व्यवहार्यता अध्ययन करने को बिहार सरकार से हरी झंडी मिल गई है। अपनी ऊर्जा विविधीकरण रणनीति के तहत एनटीपीसी 2047 तक कम से कम 14 राज्यों में लाखों करोड़ रुपये के निवेश के साथ 30 गीगावाट की परमाणु परियोजनाएं स्थापित करने की योजना बना रही है। घटनाक्रम से अवगत दो सूत्रों ने पीटीआई-भाषा को बताया कि एनटीपीसी ने एक राज्य में व्यवहार्यता अध्ययन पूरा कर लिया है, जबकि वह अन्य दो राज्यों में यह अध्ययन करने की प्रक्रिया में है। एक सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, ''कंपनी जल्द ही एक राज्य में परमाणु परियोजना के लिए पूरा किया गया व्यवहार्यता अध्ययन पेश करेगी।'' उन्होंने विषय की संवेदनशीलता के कारण स्थान से संबंधित कोई भी जानकारी देने से इनकार कर दिया। परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) की स्थायी स्थल चयन समिति ऐसे किसी भी प्रस्ताव की समीक्षा करती है, और यदि वह तकनीकी रूप से व्यवहार्य पाया जाता है, तो इसे आगे की प्रक्रिया के लिए परमाणु ऊर्जा आयोग (एईसी) के पास भेजा जाता है। एक अन्य सूत्र ने बताया कि एनटीपीसी दो और राज्यों में परमाणु परियोजनाओं के लिए व्यवहार्यता अध्ययन पूरा करने के करीब है। हाल ही में बिहार सरकार के ऊर्जा विभाग ने कंपनी को बांका जिले में एक परियोजना के लिए व्यवहार्यता अध्ययन करने की मंजूरी दी है।

पश्चिम एशिया संकट से ऊंचे बने रहेंगे कच्चे तेल के दाम, भारत की वृद्धि दर घटेगी: एडीबी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के लंबा खिंचने की आशंका के चलते कच्चे तेल के दाम अभी ऊंचे स्तर पर बने रहेंगे। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के मुख्य अर्थशास्त्री अल्बर्ट पार्क ने यह बात कही है। पार्क ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा, ''कच्चे तेल की कीमतें ऊंची रहने की आशंका के बीच हमारा अनुमान है कि एक परिदृश्य में यह 2026 में औसतन 96 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर रहेगा। 2027 में यह 80 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर रहेगा। इसलिए हमारा मानना है कि कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची रह सकती हैं।'' उन्होंने कहा कि वायदा कीमतें भी ऊंची बनी हुई हैं। हालांकि, उन्होंने कहा, ''हमने हमेशा हाजिर बाजार की कीमतों और निकट के वायदा बाजार में एक तरह का प्रीमियम भी देखा है क्योंकि अभी कच्चे तेल की बहुत कमी है।'' पश्चिम एशिया संकट का भारत पर क्या असर होगा, इस बारे में पार्क ने कहा कि इससे देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर में 0.6 प्रतिशत की कमी आएगी, जिससे यह 6.3 प्रतिशत रह जाएगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा इससे मौजूदा वित्त वर्ष में महंगाई भी काफी बढ़ जाएगी। एडीबी ने अप्रैल में अनुमान लगाया था कि मजबूत घरेलू मांग

की वजह से चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत के स्तर पर मजबूत बनी रहेगी। अगले वित्त वर्ष में यह बढ़कर 7.3 प्रतिशत हो जाएगी। महंगाई के मामले में, एडीबी ने मौजूदा वित्त वर्ष में इसके 4.5 प्रतिशत पर रहने का अनुमान लगाया था। भारत के लिए, पार्क ने कहा, ''हमें लगता है कि 2026-27 में वृद्धि दर में 0.6 प्रतिशत की कमी आएगी। यह हमारे आदर्श परिदृश्य पर आधारित है। लेकिन इससे अगले साल वृद्धि पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। भारत अगले साल वापसी करेगा।'' उन्होंने कहा कि इस साल महंगाई 2.4 प्रतिशत बढ़कर 6.9 प्रतिशत हो जाएगी। उन्होंने कहा, ''तो यह इस क्षेत्र (एशिया-प्रशांत) पर पड़ने वाले महंगाई के असर से थोड़ा ज्यादा है, क्योंकि भारत आयातित तेल और गैस पर अधिक निर्भर है। अगर आप चीन को हटा दें, तो इस साल वृद्धि पर यह नकारात्मक 0.6 प्रतिशत का असर पूरे क्षेत्र के लिए भी काफी हद तक एक जैसा है।'' एडीबी ने 29 अप्रैल को अपनी विशेष अद्यतन रिपोर्ट में 2026 के लिए एशिया प्रशांत के लिए वृद्धि दर के अनुमान को 5.1 प्रतिशत से घटाकर 4.7 प्रतिशत कर दिया है। खाद्य उत्पादन पर एल नीनो के असर के बारे में पूछे जाने पर पार्क ने कहा, ''बेशक, यह बहुत अनिश्चित है। जाहिर है जब भी भारत में फसल खराब होती है, तो हमें एक समस्या होती है, ज्यादा कीमतों के साथ। चावल के वैश्विक व्यापार में भारत का एक बड़ा हिस्सा है। इसलिए भारत में जो कुछ भी होता है, उसका अक्सर दूसरे देशों पर भी बड़ा असर पड़ता है।'' उन्होंने आगे कहा कि बढ़ती उर्वरक कीमतों के अलावा यह भी चिंता का एक कारण है। उन्होंने कहा कि उर्वरक की कीमत बढ़ने से किसान कम खाद का इस्तेमाल करेंगे, जिससे पैदावार भी कम होगी और साल के आखिर में इसकी उपलब्धता भी कम होगी। उन्होंने कहा कि इसका असर खाने की चीजों की कीमतों पर जरूर पड़ेगा, लेकिन यह कितना गहरा होगा इसका अनुमान मैं संकट के आधार पर ही लगाया जा सकेगा।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से चार का बाजार पूंजीकरण एक लाख करोड़ रुपये घटा

नई दिल्ली। शेयर बाजार में सीमित दायरे में कारोबार के बीच बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई है। इस दौरान भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 414.69 अंक यानी 0.53 प्रतिशत चढ़ गया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 178.6 अंक यानी 0.74 प्रतिशत के लाभ में रहा। सप्ताह के दौरान भारती एयरटेल, एसबीआई, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के बाजार पूंजीकरण में गिरावट दर्ज की गई। वहीं दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार मूल्यांकन में कुल 46,685.21 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सप्ताह के दौरान एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 44,722.34 करोड़ रुपये घटकर 9,41,107.62 करोड़ रुपये रह गया। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 31,167.1 करोड़ रुपये घटकर 11,18,055.03 करोड़ रुपये पर आ गया। टीसीएस की बाजार हैसियत 28,456.26 करोड़ रुपये घटकर 8,66,477.69 करोड़ रुपये रही। वहीं एलएंडटी का मूल्यांकन 5,371.84 करोड़ रुपये घटकर 5,46,621.21 करोड़ रुपये पर आ गया। इस रुख के उलट एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 15,425.09 करोड़ रुपये बढ़कर 12,02,699.26 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

काम पर लौटने लगे 'गिग' कर्मी, ऑनलाइन मंचों के डिलिवरी के समय में आ रहा सुधार

नई दिल्ली। हाल में हुए राज्य चुनावों और फसल कटाई के सत्र के बाद बड़ी संख्या में अस्थायी कर्मचारियों (गिग वर्कर) के शहरों में लौटने से ऑनलाइन खाने-पीने के सामान की डिलिवरी करने वाले मंचों के डिलिवरी के समय में सुधार देखने को मिल रहा है। स्विगी और मैजिकपिन जैसे मंचों का कहना है कि अगले कुछ सप्ताह में स्थिति सामान्य होने की उम्मीद है। मैजिकपिन के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अंशु शर्मा ने पीटीआई-भाषा से कहा कि मतदान के लिए महानगरों से अपने गृह राज्यों में गए डिलिवरी राइडर अब वापस लौट रहे हैं, जिससे हमारे डिलिवरी कर्मियों की उपलब्धता बढ़ी है। उन्होंने कहा, ''इन राइडर की वापसी से डिलिवरी समय में सुधार हो रहा है। हालांकि, कुछ समय तक हल्का उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।'' शर्मा ने कहा कि पिछले कुछ महीनों के चुनौतीपूर्ण दौर के बाद फूड डिलिवरी क्षेत्र में सुधार की उम्मीद है और इसमें 20 प्रतिशत तक वृद्धि संभव है। उन्होंने बताया कि छोटे कारोबारियों की मदद के लिए मैजिकपिन ने कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित सहायक 'वेरा' पेश किया है। यह रेस्तरां को वास्तविक समय के उपभोग आंकड़ों के आधार पर अपने मेन्यू और कीमतों का प्रबंधन करने में मदद करता है। वहीं, फटाफट सामान की आपूर्ति करने वाले मंच इंस्टामार्ट का संचालन करने वाली स्विगी ने अपने शेयरधारकों को लिखे पत्र में कहा कि फसल कटाई के सत्र और प्रमुख राज्य चुनावों के एक साथ होने से डिलिवरी साझेदारों की उपलब्धता प्रभावित हुई। कंपनी ने कहा कि पिछले चार सप्ताह के दौरान बड़ी संख्या में गिग कर्मी अपने गृह राज्य चले गए थे, जिससे पूरे उद्योग में डिलिवरी साझेदारों की कमी महसूस की गई। स्विगी के अनुसार, इस कारण कुछ शहरों में डिलिवरी समय अस्थायी रूप से बढ़ गया और अधिक मांग वाले क्षेत्रों में 'सर्ज प्राइसिंग' तथा लंबी दूरी की सेवाओं में बदलाव जैसे कदम उठाने पड़े।

भू-राजनीतिक तनाव की वजह से पश्चिम एशिया को नाल्को का एल्युमिना निर्यात घटा : सीएमडी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लि. (नाल्को) ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण कंपनी का होने वाला उसका एल्युमिना निर्यात प्रभावित हुआ है। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कंपनी के नतीजों की घोषणा के बाद कॉन्फ्रेंस कॉल में कहा कि नाल्को के कुल एल्युमिना निर्यात का करीब 40-50 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया को जाता था, जो मौजूदा हालात से प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा, ''आपूर्ति बाधाओं की वजह से निर्यात गंतव्यों में बदलाव से वैश्विक स्तर पर हाजिर बाजार में एल्युमिना की कीमतों में गिरावट आई है।'' कंपनी के अनुसार, पश्चिम एशिया में आपूर्ति बाधित होने के कारण वैश्विक हाजिर एल्युमिना कीमत घटकर 305-310 डॉलर प्रति टन रह गई है। नाल्को के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ने कहा, ''हालांकि, अब हमें इंडोनेशिया और अन्य स्थानों से ऑर्डर मिल रहे हैं। इससे हाजिर कीमतों में गिरावट आई है।'' नाल्को ने कहा कि पश्चिम एशिया के स्मेल्टर फिलहाल कम क्षमता पर काम कर रहे हैं और उनके पूर्ण क्षमता पर पहुंचने तक हाजिर बाजार में एल्युमिना कीमतों पर दबाव बना रह सकता है।

एफटीए का अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के लिए 'बेहतर उपयोग योजना' पर काम कर रही है सरकार

नई दिल्ली। विकसित देशों के साथ कई मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर के बाद सरकार इनका अधिकतम लाभ उठाने के लिए 'एफटीए इस्तेमाल योजना' पर काम कर रही है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, 2021 से अबतक भारत ने मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ओमान, न्यूजीलैंड, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (एफ्टा), यूरोपीय संघ (ईयू), ब्रिटेन और अमेरिका के साथ एफटीए को अंतिम रूप दिया है। ये मुक्त व्यापार समझौते 38 देशों के साथ किए गए हैं, जिनका वैश्विक आयात मूल्य 12,000 अरब डॉलर बैठता है। इन समझौतों के तहत भारतीय कृषि, वस्त्र एवं परिधान, रत्न एवं आभूषण, चमड़ा, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, रसायन और दवा क्षेत्रों को शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच मिली है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उद्योग संगठनों, कारोबारियों और निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी) के साथ कई बैठकें कर एफटीए के बेहतर के उपायों पर चर्चा की है। उन्होंने उद्योग जगत से इन समझौतों का लाभ उठाकर निर्यात और घरेलू विनिर्माण को बढ़ाने का आह्वान किया है। अधिकारी ने बताया कि मंत्री ने चार मई को प्रमुख अधिकारियों और मुख्य वार्ताकारों के साथ बैठक कर मुक्त व्यापार समझौतों की प्रगति की समीक्षा की। इसके बाद सात मई को भारतीय कृषि और मत्स्य उत्पादों के लिए वैश्विक बाजारों में स्वच्छता एवं पादप स्वच्छता (एसपीएस) संबंधी मंजूरियां हासिल करने के लिए रूपरेखा तैयार करने पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों और सभी संबंधित मंत्रालयों को भी शामिल किया गया। भारतीय दूतावास आयातक देशों में एफटीए के प्रति जागरूकता बढ़ाने, नए अवसरों की जानकारी देने और गैर-शुल्क बाधाओं के समाधान में तेजी लाने का काम करेंगे। वहीं संबंधित मंत्रालय पर्याप्त उत्पादन, वैश्विक मानकों के अनुरूप व्यवस्था और कारोबार सुगमता सुनिश्चित करेंगे।

प्रीति जिंटा ने बॉबी देओल के साथ बिताए पलों को किया याद

मुंबई। हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया पर एक पुरानी याद साझा करते हुए अभिनेता बॉबी देओल के साथ बिताए खास पलों को याद किया। प्रीति जिंटा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म 'सोल्जर' का एक वीडियो साझा किया। वीडियो के बैकग्राउंड में फिल्म का लोकप्रिय गीत 'महफिल में बार-बार' सुनाई दे रहा है, जिसे कुमार सानू और अलका याग्निक ने अपनी आवाज दी थी। प्रीति जिंटा की यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और फैंस भी इसे काफी पसंद कर रहे हैं। वीडियो के जरिए अभिनेत्री ने उन दिनों को याद किया, जब उन्होंने बॉबी देओल के साथ इस सुपरहिट फिल्म में काम किया था। पोस्ट साझा करते हुए प्रीति जिंटा भावुक भी नजर आईं। उन्होंने बॉबी देओल को टैग करते हुए एक मजेदार किस्सा सुनाया। अभिनेत्री ने बताया कि वह बॉबी देओल और उनकी पत्नी तान्या देओल के हनीमून के दौरान भी उनके साथ थीं। प्रीति ने मजाकिया अंदाज में लिखा कि वह हमेशा बॉबी की शुक्रगुजार रहेंगी, क्योंकि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में उनके पहले आउटडोर शूट को बेहद यादगार बना दिया था। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बॉबी के हनीमून पर 'थर्ड व्हील' बनना भी उनके लिए एक खास अनुभव रहा। दरअसल, बॉबी देओल ने 30 मई 1996 को तान्या आहूजा से शादी की थी। शादी के कुछ समय बाद ही वह फिल्म 'सोल्जर' की शूटिंग में व्यस्त हो गए थे।

कृति सेनन

ने इंडस्ट्री में महिलाओं की स्थिति पर की खुलकर बात

मुंबई। कृति सेनन ने बॉलीवुड में लंबे समय से चले आ रहे लैंगिक भेदभाव और फीस में असमानता को लेकर खुलकर अपनी बात रखी है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने कहा कि महिला प्रधान फिल्मों के मामले में आज भी अभिनेत्रियों को कई तरह के भेदभाव का सामना करना पड़ता है। उन्होंने निर्माताओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि बजट कम करने की जरूरत पड़ने पर सबसे पहले अभिनेत्रियों की फीस पर मोलभाव किया जाता है, जबकि फिल्म के बजट का बड़ा हिस्सा पुरुष कलाकारों की फीस में चला जाता है। कृति ने कहा, इंडस्ट्री में पैसों को लेकर हमेशा संघर्ष रहा है। जब भी खर्च कम करने की बात आती है तो सबसे पहले मुख्य अभिनेत्री की फीस घटाने की कोशिश की जाती है। एक तरह से यह अलिखित नियम बन चुका है कि पुरुष कलाकारों की सुविधा और सहूलियत को ज्यादा प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि बॉलीवुड में पितृसत्ता आज भी गहराई से मौजूद है और समानता के लिए इस सोच को बदलना बेहद जरूरी है। अभिनेत्री ने अपने शुरुआती दिनों का एक अनुभव शेयर करते हुए कहा कि एक पुरुष सह-कलाकार, जो उनसे सीनियर भी नहीं था, उसे उनसे बेहतर गाड़ी दी गई थी। कृति ने कहा, मुद्दा गाड़ी का नहीं, बल्कि बराबरी के सम्मान का था। उन्होंने बताया कि इसी सोच को बदलने और महिलाओं के लिए बेहतर किरदार तैयार करने के उद्देश्य से उन्होंने निर्माता बनने का फैसला किया। कृति का मानना है कि आज भी बॉलीवुड में अभिनेत्रियों के लिए मजबूत कहानियों और दमदार किरदारों की कमी है, जबकि बड़े अभिनेता महिला प्रधान फिल्मों में सहायक भूमिकाएं करने से बचते हैं।

घुंघराले बालों से थी नफरत, अब वही बनी अनुपमा परमेश्वरन की पहचान

मुंबई। दक्षिण भारतीय फिल्मों की चर्चित अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन आज अपनी शानदार अभिनय क्षमता के साथ-साथ खूबसूरत घुंघराले बालों के लिए भी जानी जाती हैं, लेकिन एक समय ऐसा भी था जब उन्हें अपने बाल बिल्कुल पसंद नहीं थे। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए अपने दिल की बात फैंस के साथ साझा की। अनुपमा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में अपने कर्ली हेयर को फ्लॉन्ट किया। इसके साथ उन्होंने एक भावुक और प्रेरणादायक नोट भी लिखा। अभिनेत्री ने बताया कि बचपन और शुरुआती दिनों में वह अपने घुंघराले बालों को छिपाने की कोशिश करती थीं। उन्हें लगता था कि उनके बाल दूसरों की तरह सीधे और सामान्य होने चाहिए। यही वजह थी कि वह बार-बार अपने बालों को सीधा करने और बदलने की कोशिश करती रहती थीं। अभिनेत्री ने लिखा कि समय के साथ उन्होंने खुद को समझना और अपनाना सीखा। उन्होंने महसूस किया कि जो चीज उन्हें सबसे अलग बनाती है, वही उनकी असली पहचान और खूबी है। अनुपमा के मुताबिक, अब उनके घुंघराले बाल उनकी सबसे पसंदीदा चीजों में शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें सबसे ज्यादा खुशी तब मिलती है, जब लोग उनसे कहते हैं कि उन्हें देखकर उन्होंने भी अपने प्राकृतिक घुंघराले बालों को अपनाना शुरू किया। अभिनेत्री ने कहा कि खुद को जैसे हैं वैसे स्वीकार करना बेहद शक्तिशाली एहसास होता है और यही आत्मविश्वास दूसरों को भी खुद से प्यार करना सिखाता है। अनुपमा परमेश्वरन दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपनी नेचुरल एक्टिंग, मासूम अंदाज और गर्ल-नेक्स्ट-डोर इमेज के लिए काफी लोकप्रिय हैं। उन्होंने मलयालम, तेलुगु और तमिल फिल्मों में अपनी अलग पहचान बनाई है। फिल्म 'प्रेमम' से मिली लोकप्रियता के बाद उन्होंने 'कार्तिकेय 2' और 'टिल्लू स्क्वायर' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता।

26/11 के अनसुने नायकों की कहानी लेकर आ रहीं

कंगना रनौत

मुंबई। अभिनेत्री कंगना रनौत एक बार फिर बड़े पर्दे पर देशभक्ति और साहस से जुड़ी कहानी लेकर आ रही हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की रिलीज डेट का आधिकारिक ऐलान कर दिया गया है। फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए इसकी घोषणा की। पोस्टर के साथ जारी संदेश में बताया गया कि यह साधारण लोगों की असाधारण बहादुरी की कहानी है। उस रात की कहानी, जब इंसानियत डर से बड़ी बन गई, जब जिम्मेदारी बलिदान में बदल गई और जब साहस ने सैकड़ों जिंदगियां बचाईं। फिल्म को भारत के उन असली नायकों को समर्पित बताया गया है, जिनकी बहादुरी की चर्चा अक्सर इतिहास में दबकर रह गई। 'भारत भाग्य विधाता' सच्ची घटनाओं से प्रेरित फिल्म है, जो 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमलों की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

एक बार फिर साथ आए आमिर खान और आशुतोष

मुंबई। आमिर खान और निर्देशक आशुतोष गोवारिकर की सुपरहिट जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आने वाली है। 'लगान' जैसी ऐतिहासिक फिल्म देने के लगभग 25 साल बाद दोनों दिग्गज भारतीय क्रिकेटर लाला अमरनाथ की बायोपिक के लिए साथ आ रहे हैं। क्रिकेट की पृष्ठभूमि पर बनने वाली इस फिल्म को लेकर फैंस के बीच अभी से उत्साह देखने को मिल रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर खान ने इस पीरियड स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म को हरी झंडी दे दी है। फिल्म भारतीय क्रिकेट के दिग्गज लाला अमरनाथ के जीवन पर आधारित होगी।

जयशंकर की त्रिनिदाद यात्रा संपन्न

सांस्कृतिक संबंधों और विकास साझेदारी पर प्रकाश डाला

पोर्ट ऑफ स्पेन। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने त्रिनिदाद और टोबैगो की अपनी यात्रा के समापन पर भारत और इस कैरेबियाई देश के बीच गहरे सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक संबंधों को रेखांकित किया। उनकी यात्रा के दौरान प्रवासी भारतीय समुदाय से संवाद और विकास सहयोग पर केंद्रित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। जयशंकर ने शनिवार को भारतीय समुदाय के सदस्यों से बातचीत की और गिरमिटिया समुदाय के साथ भारत के ''खास संबंधों'' पर जोर दिया। गिरमिटिया समुदाय उन भारतीय बंधुआ मजदूरों के वंशज हैं, जो औपनिवेशिक काल में कैरेबियाई देशों में गए थे। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''भारतीय समुदाय के साथ बातचीत के साथ मेरी यात्रा का समापन हुआ। गिरमिटिया समुदाय के साथ हमारे खास संबंधों को रेखांकित किया तथा इन्हें आगे और मजबूत करने पर चर्चा की।'' जयशंकर ने कहा कि भारत त्रिनिदाद और टोबैगो का ''विश्वसनीय एवं भरोसेमंद साझेदार'' है, जो उसकी जरूरतों और आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील है। यहां स्थित भारतीय उच्चायोग की वेबसाइट के अनुसार, 1845 से 1917 के बीच भारतीय उपमहाद्वीप से लगभग 1,43,000 बंधुआ मजदूर त्रिनिदाद पहुंचे थे। इनमें अधिकतर लोग उत्तर भारत और बिहार से थे। वेबसाइट के अनुसार, इन मजदूरों की पांचवीं और छठी पीढ़ी के वंशज अब देश की लगभग 13.6 लाख आबादी (2024 के अनुसार) का करीब 40-45 प्रतिशत हिस्सा हैं और वे देश की आर्थिक, राजनीतिक तथा सामाजिक संरचना का अहम अंग बन चुके हैं। जयशंकर शुक्रवार को परामारिबो से पोर्ट ऑफ स्पेन पहुंचे थे। यह उनकी जमैका, सूरीनाम तथा त्रिनिदाद और टोबैगो की तीन देशों की यात्रा का अंतिम चरण था। इस यात्रा का उद्देश्य कैरेबियाई देशों के साथ भारत की सहभागिता को और मजबूत करना है। शनिवार को वह दत्तात्रेय मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने लोगों के कल्याण तथा भारत-त्रिनिदाद एवं टोबैगो संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए प्रार्थना की। दत्तात्रेय मंदिर मध्य त्रिनिदाद का एक प्रमुख हिंदू मंदिर है, जो भगवान हनुमान की 85 फुट ऊंची प्रतिमा के लिए प्रसिद्ध है। विदेश मंत्री ने एक अन्य पोस्ट में दक्षिण त्रिनिदाद में 'इंडो-त्रिनबागोनियन' समुदाय के साथ अपनी मुलाकात को ''घर से दूर दूसरा घर'' बताया। उन्होंने कहा, ''दक्षिण त्रिनिदाद में इंडो-त्रिनबागोनियन समुदाय के बीच रहना बेहद सुखद अनुभव रहा। आत्मीयता कई रूपों में दिखाई दी और स्नेह उससे भी अधिक था।'' जयशंकर ने इसके लिए कैरेबियाई देश की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर का आभार व्यक्त किया। विदेश मंत्री ने पीनल नगर में प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर के साथ मिलकर एक स्थायी कृत्रिम अंग केंद्र का भी उद्घाटन किया। यह केंद्र भारत के 'जयपुर फुट' शिविर की सफलता के बाद स्थापित किया गया, जिससे देश में 800 से अधिक दिव्यांग लोगों को लाभ मिला था। 'जयपुर फुट' कम लागत वाला कृत्रिम अंग अभियान है, जिसने दुनिया भर में हजारों दिव्यांग लोगों को दोबारा चलने-फिरने में मदद की है। जयशंकर ने सोशल मीडिया पोस्ट में इस कृत्रिम अंग केंद्र को ''जन-केंद्रित परियोजना'' बताते हुए कहा कि यह ''त्रिनिदाद और व्यापक कैरिकॉम (कैरेबियाई देशों का क्षेत्रीय संगठन) क्षेत्र के लिए गतिशीलता और सम्मान का उपहार'' है।

हंटावायरस प्रभावित क्रूज पोत स्पेन के टेनेरीफ पहुंचा

टेनेरीफ (स्पेन)। हंटावायरस संक्रमण से प्रभावित क्रूज पोत 140 से अधिक लोगों को लेकर स्पेन के कैनरी द्वीपसमूह के सबसे बड़े द्वीप टेनेरीफ पहुंच गया है। पश्चिम अफ्रीका के तट के पास स्थित इस द्वीप पर यात्रियों और चालक दल के कुछ सदस्यों को पोत से उतारा जाना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), स्पेन के प्राधिकारियों और क्रूज कंपनी 'ओशनवाइड एक्सपेडिशंस' ने कहा है कि 'एमवी होंडियस' पर सवार किसी भी व्यक्ति में फिलहाल वायरस के लक्षण नहीं दिख रहे। इस वायरस के प्रकोप के बाद से तीन लोगों की मौत हो चुकी है और पोत से उतर चुके पांच यात्री हंटावायरस से संक्रमित हैं। यह वायरस जानलेवा बीमारी का कारण बन सकता है। पोत में सवार लोगों को छोटी नौकाओं के जरिये उतारा जाएगा। पोत से उतरने वाले सभी लोगों की जांच की जाएगी और उन्हें तभी उतारा जाएगा, जब निकासी उड़ानें उन्हें उनके गंतव्य तक ले जाने के लिए तैयार होंगी। पोत पर इस समय 20 से अधिक देशों के लोग सवार हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस, स्पेन के स्वास्थ्य और गृह मंत्रियों के साथ पोत से लोगों को निकालने की प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। अधिकारियों ने कहा है कि जिन यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को पोत से उतारा जाएगा, उनका स्थानीय आबादी से कोई संपर्क नहीं होगा। हंटावायरस आमतौर पर तब फैलता है, जब लोग चूहों या गिलहरी जैसे कुतरने वाले जीवों के मल के दूषित अवशेषों के संपर्क में आई हवा में सांस लेते हैं। यह आम तौर पर एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से नहीं फैलता] लेकिन क्रूज पोत पर फैले संक्रमण में मिला एंडीज वायरस दुर्लभ मामलों में एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है। संक्रमण के संपर्क में आने के बाद आमतौर पर एक से आठ सप्ताह के बीच लक्षण दिखाई देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महामारी एवं वैश्विक महामारी प्रबंधन विभाग की निदेशक मारिया वान केरखोव ने शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अधिकारी रविवार और सोमवार को निकासी उड़ान प्रक्रिया पूरी करने का लक्ष्य रख रहे हैं। अमेरिका और ब्रिटेन, दोनों ने अपने नागरिकों को निकालने के लिए विमान भेजने पर सहमति जताई है। अमेरिकी नागरिकों को नेब्रास्का के एक चिकित्सा केंद्र में पृथकवास में रखा जाएगा। स्पेन के सभी यात्रियों को एक चिकित्सा केंद्र में ले जाकर पृथकवास में रखा जाएगा। ओशनवाइड के अनुसार, पोत पर स्पेन के 13 यात्री और चालक दल का एक सदस्य सवार है।

कतर के तट पर हमले के बाद जहाज में आग लगी: ब्रिटिश सेना

दुबई। कतर के तट पर रविवार को एक अज्ञात मिसाइल के हमले के बाद एक जहाज में आग लग गई। ब्रिटिश सेना ने यह जानकारी दी। 'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस' (यूकेएमटीओ) केंद्र ने कहा कि हमले के कारण मालवाहक पोत पर मामूली आग लग गई, जिसे बुझा दिया गया।

यूकेएमटीओ ने बताया कि यह हमला कतर की राजधानी दोहा से 43 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में हुआ। इसने कहा कि हमले में किसी के भी हताहत होने की खबर नहीं है। अमेरिका और ईरान के बीच नाजुक युद्धविराम के बाद फारस की खाड़ी में जहाजों पर यह नवीनतम हमला है। पिछले एक सप्ताह के दौरान फारस की खाड़ी में जहाजों पर कई हमले हुए हैं। अमेरिका ने शुक्रवार को ईरान के दो तेल टैंकरों पर हमला किया और कहा था कि ये टैंकर ईरानी बंदरगाहों की अमेरिकी नाकेबंदी को तोड़ने की कोशिश कर रहे थे। ईरान की नौसेना ने चेतावनी दी है कि ईरानी तेल टैंकरों या वाणिज्यिक पोत पर कोई भी हमला होने पर इसका जवाब क्षेत्र स्थित किसी भी अमेरिकी सैन्य अड्डे और दुश्मन के पोत पर ''भीषण हमलों'' से दिया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान द्वारा जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और अपने परमाणु कार्यक्रम रद्द करने का समझौता स्वीकार न किए जाने की स्थिति में बड़े पैमाने पर बमबारी फिर से शुरू करने की धमकी को दोहराया है।

पाकिस्तान जिम्मेदार एवं 'वैश्विक शांति की गारंटी देने वाला' राष्ट्र बनकर उभरा है: शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि पाकिस्तान अब एक ''जिम्मेदार'' राष्ट्र के रूप में पहचाना जाता है, जो न केवल अपनी रक्षा करना जानता है, बल्कि ''वैश्विक शांति और स्थिरता की गारंटी देने वाला'' बनकर भी उभरा है।

'मारका-ए-हक' के एक साल पूरे होने पर शनिवार देर रात प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी संदेश में शहबाज शरीफ ने शत्रुता के दौरान सशस्त्र बलों द्वारा निभायी गयी भूमिका की सराहना की। पाकिस्तान ने पिछले वर्ष भारत के साथ हुए चार दिन के संघर्ष को 'मारका-ए-हक' नामक दिया था। पहलगाम आतंकी

हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद भारत ने पिछले वर्ष छह-सात मई की दरमियानी रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। इसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचों के नौ ठिकानों पर हवाई हमले किए गए थे, जिनमें कम से कम 100 आतंकवादी मारे गए थे। इस कार्रवाई के बाद दोनों देशों के बीच तनाव तेजी से बढ़ गया था। पाकिस्तान ने जवाबी हमले किए थे। हालांकि भारतीय सेना ने उनमें से अधिकांश को विफल कर दिया था। दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच हॉटलाइन पर हुई बातचीत के बाद 10 मई को सैन्य कार्रवाइयों को रोकने पर सहमति बनने के साथ संघर्ष समाप्त हुआ था। शहबाज शरीफ ने कहा कि थल, जल, वायु और साइबर क्षेत्रों में पाकिस्तान की सेनाओं के समन्वित जवाब ने देश की रक्षा क्षमताओं और राष्ट्रीय संकल्प को मजबूत किया। उन्होंने चेतावनी दी कि पाकिस्तान के खिलाफ किसी भी आक्रामकता का ''तत्काल, उचित और हर स्तर पर जवाब'' दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान अब ''एक जिम्मेदार राष्ट्र'' के रूप में पहचाना जाता है, जो न केवल अपनी रक्षा करना जानता है, बल्कि ''वैश्विक शांति और स्थिरता की गारंटी देने वाला'' भी बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका-ईरान संघर्ष के दौरान मध्यस्थ के रूप में पाकिस्तान की भूमिका और हिंसा समाप्त कराने में उसके प्रयासों की दुनिया भर में सराहना की गयी है। शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए अपने प्रयास जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

पाकिस्तान: पुलिस थाने पर चरमपंथियों के हमले में तीन पुलिसकर्मी की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में एक पुलिस थाने पर आत्मघाती बम हमले की कोशिश के बाद हुई मुठभेड़ में कम से कम तीन पुलिसकर्मियों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षाबलों ने शनिवार को बन्नू जिले के फतेहखेल पुलिस थाने पर एक बड़े आत्मघाती हमले को नाकाम कर दिया और विस्फोटकों से लदे वाहन को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही नष्ट कर दिया। शुरुआती जानकारी के अनुसार विस्फोट स्थल के आसपास के कई घरों को भारी नुकसान पहुंचा है और कई मकानों की छतें ढह गई हैं। पुलिस ने बताया कि विस्फोट के तुरंत बाद बड़ी संख्या में चरमपंथियों ने पुलिस थाने पर हमला किया और उन्हें रोकने के लिए पुलिस की ओर से भी गोलीबारी की गई। उसने बताया कि गोलीबारी में कम से कम तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि कई घायल हो गए। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री मोहम्मद सोहेल अफरीदी ने इस चरमपंथी हमले की कड़ी निंदा की और जान-माल के नुकसान पर गहरा दुख जताया। अफरीदी ने कहा कि ''आतंकवाद के विरुद्ध'' यह लड़ाई केवल खैबर पख्तूनख्वा की ही नहीं, बल्कि पूरे देश की है। उन्होंने यह भी कहा कि बंद कमरों में लिए गए फैसलों और थोपी गई नीतियों ने देश को असुरक्षा के दलदल में धकेल दिया है।